संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 244
पृष्ठ 8
रविवार
24 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए...

विचार- 'टी.सी.एस.' नासिक जैसे मतांतरण...

खेल- मैदान पर कोहली की आक्रामकता...

श्रमिक राज्य की प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति

- श्रमिकों को सम्मान और सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिकता- योगी।
- सभी जनपदों में लागू होगी श्रमिक विद्या योजना।
- आर्थिक मजबूरी में शिक्षा से वंचित न रहे कोई बच्चा।

श्रमिक राज्य की प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति, उनका सम्मान-सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों को राज्य की प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें सम्मान तथा सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिकता है। श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और रोजगार सृजन को अधिक प्रभावी तथा व्यापक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने श्बाल श्रमिक विद्या योजनाश को प्रदेश के सभी 75 जिलों तक विस्तार देने, सेवामित्र व्यवस्था को और मजबूत बनाने, बड़े शहरों में निर्माण श्रमिकों के लिए आधुनिक सुविधा केंद्र विकसित करने तथा रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के निर्देश दिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और विकास की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास, रोजगार सृजन को और व्यापक तथा परिणाममुखी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। बाल श्रमिक विद्या योजना को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विस्तारित करने, 'सेवामित्र व्यवस्था' को और प्रभावी बनाने, निर्माण श्रमिकों के लिए बड़े शहरों में आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र विकसित करने तथा रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि श्रमिकों, युवाओं, कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध हों। श्रम एवं सेवायोजन विभाग की योजनाओं कार्यक्रमों और प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ा जाए और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए। निजी क्षेत्र के सहयोग से इन बच्चों के कौशल विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए। 2020 में प्रारंभ योजना के तहत 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के कामकाजी बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

वर्तमान में योजना 20 जिलों में संचालित है। मुख्यमंत्री ने इसे नए प्रावधानों के साथ प्रदेश के सभी 75 जनपदों में लागू करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने 'सेवामित्र व्यवस्था' को रोजगार और जनसुविधा का अभिनव मॉडल बताते हुए कहा कि तकनीक आधारित ऐसी व्यवस्थाएं युवाओं और कुशल कामगारों के लिए नए अवसर तैयार करती हैं। इसे और अधिक प्रभावी तथा जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए। बताया गया कि 2021 से संचालित व्यवस्था के तहत नागरिक मोबाइल ऐप, वेब पोर्टल अथवा कॉल सेंटर के माध्यम से घरेलू सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में पोर्टल पर 1097 सेवा प्रदाता, 5049 सेवामित्र और 54,747 कुशल कामगार पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री ने सरकारी विभागों में आवश्यकता के अनुसार सेवामित्र व्यवस्था के उपयोग के प्रस्ताव को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग में हुए संस्थागत सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि उद्योगों के अनुकूल वातावरण और श्रमिक हितों के बीच संतुलन बनाना सरकार की नीति का हिस्सा है। प्रदेश में अब तक 32,583 कारखाने पंजीकृत हो चुके हैं। मार्च 2017 तक जहां यह संख्या 14,176 थी, वहीं अप्रैल 2017 के बाद 18,407 नए कारखानों का पंजीकरण हुआ है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में 4860 कारखानों का पंजीकरण किया गया। विभाग को बीआरएपी सुधारों के क्रियान्वयन में 'टॉप अचीवर' के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है तथा उद्योग समागम 2025 में श्रम क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया निर्माण श्रमिकों के लिए औद्योगिक शहरों में प्रस्तावित श्रमिक सुविधा केंद्रों यानी 'लेबर अड्डों' को व्यवस्थित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। केंद्रों को केवल श्रमिकों के एकत्रीकरण स्थल के रूप में नहीं, बल्कि श्रमिक सहायता एवं सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। बड़ी संख्या में दूसरे क्षेत्रों से आने वाले श्रमिकों के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित आवास सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है।

7 करोड़ का पुल 4 साल में ही धंसा, भ्रष्टाचार को लेकर सड़क पर उतरे लोग

पटना, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले में परमान नदी पर बने झामटा–महिशाकोल पुल में दरारें पड़ गई हैं, क्योंकि इसका एक मुख्य स्तंभ धंस गया है। निर्माण के महज चार साल बाद ही इस पुल की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। लगभग 7.32 करोड़ रुपये की लागत से 2022 में निर्मित इस पुल की मुख्य रेलिंग में स्पष्ट दरारें दिखाई दे रही हैं, जिसके चलते प्रशासन ने इस पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। इस घटना के बाद, स्थानीय निवासी घटनास्थल

पर जमा हो गए और निर्माण कार्य में कथित अवसंरचना संबंधी खामियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेलगाए। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए कि हम भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस पुल के इंजीनियर को निलंबित करो। जन सूरज के नेता फैसल जावेद यासीन ने भी निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और दावा किया कि पुल के निर्माण के दौरान ही चिंताएं जताई गई थीं। यासीन ने एएनआई को बताया कि इस पुल को बने अभी चार साल भी नहीं बीते हैं। पुल के निर्माण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों और हमने कई सवाल उठाए थे कि इसके निर्माण में स्थानीय रेत और घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि इंजीनियरों और अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि गलतियां नहीं दोहराई जाएंगी और पुल सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि इंजीनियरों और अधिकारियों ने कहा था कि जो भी गलतियां हुई हैं, वे नहीं दोहराई जाएंगी और पुल नहीं टूटेगा।

लेह के पास सेना का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, तीन अधिकारियों को आई मामूली चोटें

नयी दिल्ली, एजेंसी। लेह के पास पूर्वी लद्दाख के ऊंचे इलाके वाले तांगत्से सेक्टर में एक चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन एक वरिष्ठ कमांडर समेत भारतीय सेना के तीन सुरक्षित बच गये। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। यह घटना 20 मई को लद्दाख के ऊबड़–खाबड़ पहाड़ी इलाके में एक ऑपरेशनल उड़ान के दौरान हुई थी। इस दुर्घटना की जानकारी

शुक्रवार को ही सामने आई। गौरतलब है कि लद्दाख दुनिया के सबसे मुश्किल उड़ान वाले इलाकों में से एक है। अधिकारियों के मुताबिक, हेलीकॉप्टर में सेना की तीसरी इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल सचिन मेहता सवार थे, जबकि एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर विमान उड़ा रहे थे। तीनों लोग इस दुर्घटना में सुरक्षित बच गये। सेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए श्कोर्ट ऑफ इन्क्वायरीश का आदेश दिया है। शुरुआती जांच चल रही है, हालांकि घटना के सही कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उल्लेखनीय है कि चीता हेलीकॉप्टर, जो एक हल्का यूटिलिटी विमान है और लंबे समय से भारत के ऊंचे इलाकों में होने वाले हवाई अभियानों की रीढ़ माना जाता रहा है।

19वें रोजगार मेले में 51000 युवाओं को जॉब लेटर मिले, पीएम बोले

अब आप देश की विकास यात्रा में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। नयी दिल्ली, 23 मई (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को रोजगार मेले के 19वें संस्करण के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नव नियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और कहा कि भारत की युवा आबादी देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नव नियुक्त युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार मेला युवाओं को नए रोजगार अवसर उपलब्ध कराने तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री मोदी ने कहा, ष्देश के युवा विकसित भारत में प्रगति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। रोजगार मेला युवा शक्ति को नए अवसर प्रदान करने एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को मजबूत करने के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

देश में बढ़ते वैश्विक विश्वास पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवा प्रतिभा और तीव्र तकनीकी प्रगति के कारण दुनिया भारत के साथ साझेदारी करने के लिए उत्सुक है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, हरित हाइड्रोजन एवं सतत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे युवा भारतीयों के लिए नए आर्थिक अवसर एवं रोजगार उत्पन्न हो रहे हैं।

श्री मोदी ने सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बारे में बात करते कहा कि हर भारतीय 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश से युवाओं के लिए लाखों रोजगार का सृजित हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण भारत में दिखाई देने वाले परिवर्तन की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी किसानों, छोटे व्यापारियों एवं छात्रों के लिए नए अवसर उत्पन्न कर रही है। उन्होंने कहा कि आज गांवों में भी तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ किसानों, छोटे व्यापारियों और छात्रों के लिए नए अवसर खुल गए हैं।

नव नियुक्त अधिकारियों से लोक सेवा को राष्ट्रीय सेवा का एक साधन समझने का आह्वान करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारतीय युवा वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं और उन्हें शासन में भी वही ऊर्जा और भावना लानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली सहित विभिन्न देशों की अपनी हालिया यात्राओं के दौरान हुए समझौतों का भी उल्लेख किया और कहा कि इस तरह की साझेदारियों से भारतीय युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा और देश में विकास संभावनाएं मजबूत होगी।

यह रोजगार मेला पूरे देश में 47 स्थानों पर आयोजित किया गया। नव नियुक्त उम्मीदवार रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग सहित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार संभालेंगे।

जनता की कमाई को किश्तों में लूटा जा रहा है

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी पर खरगे का केंद्र पर हमला

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पेट्रोल–डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर सियासत तेज हो गई है। लगातार आठ दिनों में तीसरी बार ईंधन के दाम बढ़ने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को केंद्र सरकार पर जनता की कमाई किस्तों में लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने

कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें कम होने के बावजूद सरकार ने लोगों को राहत नहीं दी, बल्कि टैक्स बढ़ाकर जनता पर बोझ डाला। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि देश में नेतृत्व का संकट है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति बनी और दुनिया के कई देशों ने अपने नागरिकों को राहत दी, तब भारत में भाजपा सरकार लगातार पेट्रोल–डीजल के दाम बढ़ाकर आम लोगों की जेब पर चोट कर रही है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल अब कई जगहों पर 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच चुका है और सरकार किस्तों में जनता की कमाई लूट रही है।

बच्ची की हत्या पर भड़के सीएम विजय, बोले

दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची के अपहरण और हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे एक भयानक घटना बताया और पुलिस को त्वरित और गहन जांच करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर एक पोस्ट में इस अपराध की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि कोयंबटूर में कल एक 10 वर्षीय बच्ची के साथ हुई भयावह घटना से गहरा दुख और सदमा पहुंचा है। ऐसे अमानवीय और अक्षम्य आपराधिक कृत्यों को हमारे समाज में कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मैं बच्ची के परिवार के साथ अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जो अपने प्रिय बच्चे को खोने के गम में डूबे हुए हैं।

पेट्रोल 87 पैसे, डीजल 91 पैसे और महंगा

10 दिन में तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी, पाकिस्तान में पेट्रोल 6 और डीजल 6.80 रुपए सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में पेट्रोल 87 पैसे महंगा होकर 99.51 प्रति लीटर पहुंच गया है। डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। इसके दाम 92.49 पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा दिल्ली–एनसीआर में सीएनजी की कीमतें1 किलो बढ़ गई हैं। इस बदलाव के बाद दिल्ली मेंसीएनजी अब 81.09 प्रति किलो मिलेगी। पिछले 9 दिन में यह तीसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले सरकार ने 15 मई को सीएनजी के दाम 2 और फिर 18 मई को 1 बढ़ाए थे।

पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल की कीमत में 6 पाकिस्तानी रुपए और हाई स्पीड डीजल (HSD) के दाम में 6.80 पाकिस्तानी रुपए की कटौती की है। इससे यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 403.78 पाकिस्तानी रुपए और डीजल की कीमत 402.78 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर पर आ गई

हैं। नई कीमतें आज यानी 23 मई से लागू हो गई हैं।

पाकिस्तान सरकार ने लगातार दूसरे हफ्ते पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की है। इससे पहले पिछले हफ्ते दोनों के दाम 5–5 रुपए घटाए गए थे। ईंधन की कीमतों में 9 दिन में यह तीसरी बढ़ोतरी है। 4 दिन पहले 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दामों में एवरेज 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। जबकि, 15 मई को भी कीमतों में 3 प्रति लीटर का इजाफा किया गया था।

एफआईआर में अश्लील शब्दों व गालियों के हूबहू इस्तेमाल लगे लगाम

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीड़ित पक्ष की ओर से गुस्से में लिखी तहरीर में अश्लील शब्दों और गालियों को हूबहू लिखने पर कड़ी नाराजगी जताई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीड़ित पक्ष की ओर से गुस्से में लिखी तहरीर में अश्लील शब्दों और गालियों को हूबहू लिखने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को परिपत्र (दिशानिर्देश) जारी कर एफआईआर मेंअश्लील शब्दों के प्रयोग पर तत्काल लगाम लगाने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की एकल पीठ ने बलिया के प्रेमशंकर राम की जमानत अर्जी खारिज करते हुए दिया है। मामला बलिया में दर्ज मारपीट का है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि एफआईआर के अनुच्छेद 12 में बेहद आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल युग में

एफआईआर एक सार्वजनिक दस्तावेज है। इसे समाज का कोई भी नागरिक, महिला या पुरुष इंटरनेट पर पढ़ सकता है। ऐसे में योग्य और शिक्षित पुलिस अधिकारियों की ओर से ऐसी संकीर्ण और अमर्यादित भाषा का प्रयोग एक सभ्य और लोकतांत्रिक समाज की छवि को धूमिल करता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कोई पीड़ित या शिकायतकर्ता अपनी तहरीर में अपशब्दों या गाली–गलौज का उल्लेख करता भी है तो पुलिस का कर्तव्य है कि वह एफआईआर दर्ज करते समय उन शब्दों को हूबहू लिखने से बचे। उनके स्थान पर रोजमर्रा की बोलचाल के सभ्य और सामान्य शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए। कोर्ट ने फैसले में मौजूदा मामले के अलावा बिजनौर, बस्ती, शामली, भदोही, वाराणसी और झांसी समेत कई जिलों की एफआईआर का हवाला भी दिया जहां ऐसी ही अभद्र भाषा पाई गई थी।

रातों–रात सामाजिक बदलाव लाना कठिन हो सकता है लेकिन पुलिस प्रशासन को अधिक संवेदनशील और पेशेवर बनाने के लिए इस समस्या से कड़ाई से निपटना होगा। –हाईकोर्ट

नीट–यूजी 2026 में एनसीसी 'बी' सर्टिफिकेट धारकों को आरक्षण देने की मांग, कोर्ट ने मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नीट–यूजी 2026 काउंसलिंग में एनसीसी 'बी' सर्टिफिकेट धारकों को आरक्षण देने की मांग वाली याचिका पर संबंधित प्राधिकारी से जवाब मांगा है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 26 मई 2026 तय की है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा व न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने जौनपुर निवासी सक्षम श्रीवास्तव की याचिका पर दिया है। याची ने नीट–2026 काउंसलिंग ब्रोशर में संशोधन कर एनसीसी 'बी' सर्टिफिकेट धारकों को एक प्रतिशत आरक्षण देने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

याची के अधिवक्ता प्रणब कुमार गांगुली ने दलील दी कि उनके मुवक्किल ने रद्द हो चुकी नीट–यूजी 2026 परीक्षा दी थी। वह एनसीसी 'बी' सर्टिफिकेट धारक हैं। उन्होंने कर्नाटक एग्जामिनेशन अथॉरिटी की यूजीसीईटी–2026 प्रक्रिया का हवाला देते हुए कहा कि वहां ऐसे अभ्यर्थियों को अनारक्षित वर्ग में एक प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है। साथ ही तेलंगाना के एमबीबीएस पाठ्यक्रम में भी एनसीसी अभ्यर्थियों को लाभ देने का प्रावधान है। ऐसे में याची को भी एनसीसी बी सर्टिफिकेट का लाभ दिया जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से पेश स्थायी अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि उत्तर प्रदेश में केवल एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट धारकों के लिए आरक्षण का प्रावधान है। इस पर याचिकाकर्ता पक्ष ने दलील दी कि 'सी' सर्टिफिकेट स्नातक स्तर पर मिलता है, जबकि नीट परीक्षा स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित होती है। इसलिए 'बी' सर्टिफिकेट धारकों को भी लाभ मिलना चाहिए।

दोनों बदमाशों ने एक ही पिस्टल से की थी सक्षम शर्मा की हत्या

प्रयागराज। मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर सक्षम शर्मा की गोली मारकर हत्या करने के मामले में अहम खुलासा हुआ है। आरोपी विमल पंडा और आकाश अरोड़ा उर्फ भोला पंजाबी ने मिलकर एक ही पिस्टल से सक्षम पर फायरिंग की थी। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी विमल और आकाश पूरी योजना के साथ समक्ष की हत्या करने पहुंचे थे। वारदात के बाद दोनों आरोपी स्कूटी से फरार हो गए। उन्होंने अपने घर के पास स्कूटी खड़ी की और भाग निकले। पुलिस को जैसे ही दोनों आरोपियों का पता चला तुरंत घेराबंदी कर दोनों को मुट्ठीगंज एरिया से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, विमल पंडा पर दस एफआईआर दर्ज है। वह हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा है और उसके खिलाफ गैर ज मा न ती वारंट भी जारी है। आकाश अप्रैल महीने में जमानत पर जेल से बाहर आया था। हत्या की वारदात के

बाद मुट्ठीगंज पुलिस ने सक्षम की मां अंजु शर्मा की तहरीर पर विमल पंडा, उसकी पत्नी शुभि शर्मा, भाई कमल शर्मा, आकाश अरोड़ा उर्फ भोला पंजाबी और लल्लू धुरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। अब तक तीन आरोपी शुभि शर्मा, कमल शर्मा और लल्लू धुरिया फरार चल रहे हैं।

एसीपी निकिता श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में पता चला कि दोनों ने एक पिस्टल से सक्षम को गोली मारी थी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है जल्द ही उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा। वारदात के बाद मुट्ठीगंज थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह को थाने से हटाकर सुलेमसराय भेज दिया गया है। चर्चा हैकि यह फैसला उनके खिलाफ शिकायत प्राप्त होने के बाद लिया गया है। दूसरी ओर शुक्रवार को दोनों आरोपियों को जिला न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पेट्रोल और डीजल के 10 दिन में तीसरी बार बढ़े दाम, 100 रुपये हुआ पेट्रोल का मूल्य

प्रयागराज। पेट्रोल डीजल के दाम दस दिनों के भीतर तीसरी बार बढ़ा दिए गए हैं। जिले में पेट्रोल की ताजा बढ़ोत्तरी 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे की हुई है। पेट्रोल का ताजा मूल्य 99.35 रुपये हो गया है जबकि डीजल का दाम 92.75 रुपये पहुंच गया है।

पेट्रोल डीजल के दाम दस दिनों के भीतर तीसरी बार बढ़ा दिए गए हैं। जिले में पेट्रोल की ताजा बढ़ोत्तरी 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे की हुई है। पेट्रोल का ताजा मूल्य 99.35 रुपये हो गया है जबकि डीजल का दाम 92.75 रुपये पहुंच गया है। प्रीमियम और एक्स्ट्रा फ्यूल की बात करें तो इसमें भी बढ़ोत्तरी हुई है। 86 पैसे बढ़ने से एक्स्ट्रा प्रीमियम पेट्रोल का ताजा मूल्य 107.96 रुपये पहुंच गया है। पहली बार 15 मई को डीजल और पेट्रोल में तीन–तीन रुपये की बढ़ोत्तरी की गई थी। दूसरी बार 19 मई को करीब पेट्रोल में 90 पैसे और डीजल में 91 पैसे दाम बढ़ाए गए और तीसरी बार 23 मई को पेट्रोल

के मूल्य में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल के मूल्य में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गई है। 15 मई को लगभग चार वर्षों बाद पहली बड़ी वृद्धि हुई थी। इसके बाद 19 मई और फिर 23 मई को तीसरी बार दाम बढ़ाए गए। 10 दिन के भीतर पेट्रोल में 4.27 रुपये और डीजल में 4.5 रुपये की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

प्रयागराज में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पेट्रोल डीजल का दाम पेट्रोल प्रति लीटर 98.35 से 99.21 रुपये हो गया है। डीजल प्रति लीटर 91.69 से 92.60 रुपये हुआ। एक्स्ट्रा प्रीमियम पेट्रोल प्रति लीटर 107.73 से 108.59 रुपये हुआ। इसी तरह भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल डीजल का दाम पेट्रोल प्रति लीटर 98.39 से बढ़कर 99.25 रुपये डीजल प्रति लीटर 91.72 से बढ़कर 92.68 रुपये हो गया। एक्स्ट्रा प्रीमियम पेट्रोल प्रति लीटर 107.56 से बढ़कर 108.42 रुपये पहुंच गया है।

भूमि विवाद में रिश्तों का कत्ल, छोटे भाइयों ने कुल्हाड़ी से काटकर की बड़े भाई की हत्या

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के बादलपुर गांव में भूमि विवाद में खूनी संघर्ष हो गया। भवन निर्माण के लिए नींव खुदवा रहे छोटे भाइयों ने विरोध करने पर बड़े भाई की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के बादलपुर गांव में भूमि विवाद में खूनी संघर्ष हो गया। भवन निर्माण के लिए नींव खुदवा रहे छोटे भाइयों ने विरोध करने पर बड़े भाई की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। बीच बचाव के लिए पहुंची पत्नी को भी लहूलुहान कर दिया। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर डीसीपी गंगानगर समेत मऊआइमा की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। बादलपुर गांव निवासी नंदलाल विश्वकर्मा के तीन पुत्र संतोष विश्वकर्मा, विनोद विश्वकर्मा और अशोक

विश्वकर्मा हैं। सबसे बड़ा भाई संतोष (40) मुंबई में रहकर फर्नीचर का कार्य करता है। वह शनिवार सुबह मुंबई से घर आया था। उसके छोटे भाई विनोद और अशोक घर बनवाने के लिए नींव की खुदाई करा रहे था। बिना बंटवारे के नींव खुदाई का संतोष ने विरोध किया तो दोनों छोटे भाई आग बबूला हो गए। इसको लेकर कहासुनी और मारपीट होने लगी।

छोटे भाइयों ने कुल्हाड़ी और सब्बल से संतोष पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद उसके गले पर नुकीले सब्बल से कईर वार कर दिया, जिससे संतोष की मौके पर ही मौत हो गई। बीच बचाव करने पहुंची संतोष की पत्नी अर्चना को भी मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। सूचना पाकर डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत और एसीपी विवेक कुमार यादव समेत मऊआइमा की पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल से हमले में प्रयुक्त खून से सनी कुल्हाड़ी कब्जे में ले लिया है।

बृजभूषण, राजा भैया, धनंजय-अब्बास को कैसे मिली सुरक्षा और शस्त्र लाइसेंस ? बाहुबलियों की आपराधिक कुंडली तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बृजभूषण, राजा भैया, धनंजय और अब्बास को कैसे मिला शस्त्र लाइसेंस कैसे मिला? भ्ू ने की बाहुबलियों की आपराधिक कुंडली तलब की है। इसके साथ ही सरकारी सुरक्षा की जानकारी भी मांगी है। हाईकोर्ट ने सरकार से बाहुबलियों का ब्योरा मांगा है।

प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को बताया कि सूबे में 10 लाख से ज्यादा शस्त्र लाइसेंसधारी हैं, जिसमें 6062 लोग दागी हैं। इससे हैरान कोर्ट ने उन बाहुबलियों की आपराधिक कुंडली और उन्हें मिली सरकारी सुरक्षा का ब्योरा तलब किया है, जिनका नाम सरकारी हलफनामे में गुम है। इनमें अब्बास अंसारी, बृजभूषण सिंह, राजा भैया समेत कई लोग हैं। लखनऊ कमिश्नरेट के इन लोगों की मांगी कुंडली

खान मुबारक, अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, संजय सिंह सिंघाला, अतुल वर्मा,

मोहम्मद साहिब, सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह, लल्लू यादव, बच्चू यादव, जुगनू वालिया उर्फ हरविंदर।

इन प्रभावशाली व्यक्तियों के लाइसेंसों की जांच के आदेश

रघुराज प्रताप सिंह (राजा भैया), धनंजय सिंह, सुशील सिंह, बृजभूषण शरण सिंह, विनीत सिंह, अजय मरहाद, सुजीत सिंह बेलवा, उपेंद्र सिंह गुड्डू, उदय भान सिंह समेत कई के शस्त्र लाइसेंस की जांच के आदेश दिए गए हैं।

प्रदेश के कई बाहुबली, उनके करीबी–रिश्तेदार और कुछ माफिया ने लाइसेंसी शस्त्रों की खेप ले रखी है। ये सिर्फ इसलिए जिससे उनका दबदबा कायम रहे और उनकी दहशत रहे। इसको वह अपने मान सम्मान से भी जोड़ते हैं।

जान का खतरा बताकर तमाम आपराधिक मामले दर्ज होने के बावजूद एक व उससे अधिक लाइसेंसी शस्त्र ले रखे हैं। दरअसल हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी, बृजभूषण सिंह और राजा भइया समेत कई की आपराधिक कुंडली तलब की है।

सरकार की तरफ से दाखिल किए गए हलफनामे में बताया गया है कि प्रदेश में 10 लाख से अधिक शस्त्र लाइसेंस हैं, इसमें से 6062 दागी हैं। मतलब इन पर आपराधिक केस दर्ज हैं। इसके बावजूद उनको लाइसेंस मिले हैं। कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी है। कहा है कि सभी जिलों के कप्तान और पुलिस कमिश्नर जानकारी पेश करते वक्त यह लिखित अंडरटेकिंग देंगे कि कोई भी जानकारी छिपाई नहीं गई है। यदि कोई तथ्य छिपाया गया तो संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इसे कर्तव्य के प्रति जानबूझकर की गई लापरवाही माना जाएगा।

कोर्ट ने कहा कि हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन भले ही दबदबा, ताकत और सुरक्षा का भ्रम पैदा करता हो पर यह अक्सर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ता है। आम जनता में भय व असुरक्षा की भावना पैदा करता है।

खुलेआम हथियार लेकर चलना भले ही आत्मरक्षा के नाम पर सही ठहराया जाए, लेकिन जब ये डराने–धमकाने का जरिया बन जाते हैं तो इनसे सुरक्षा नहीं, बल्कि खौफ पैदा होता है। ऐसा समाज जहां हथियारबंद लोग बलपूर्वक अपना दबदबा कायम करते हैं, वह शांतिप्रिय नहीं हो सकता।

अब घर बैठे खरीद सकते हैं यूपी बोर्ड की किताबें, वेबसाइट तैयार

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तकों की खरीदारी को सरल बनाने के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है। इसके माध्यम से छात्र पुस्तक सेट का चयन कर अपने घर पर प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थियों से इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। साथ ही किस्तों में भी भुगतान करने की व्यवस्था की गई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह के अनुसार एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें प्रदेश के राजकीय, सहायता प्राप्त व वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी।

नकल माफिया सोनू सिंह यादव की भूमि गैंगस्टर एक्ट में कुर्क, दर्ज हैं आधा दर्जन से अधिक केस

प्रयागराज। कौड़िहार थाना क्षेत्र के कटरा निवासी नकल माफिया सोनू सिंह यादव की पत्नी के नाम दर्ज करीब 60 लाख रुपये की भूमि को पुलिस कमिश्नर के आदेश पर कुर्क कर दिया गया। कौड़िहार थाना क्षेत्र के कटरा निवासी नकल माफिया सोनू सिंह यादव की पत्नी के नाम दर्ज करीब 60 लाख रुपये की भूमि को पुलिस कमिश्नर के आदेश पर कुर्क कर दिया गया। सोनू यादव के खिलाफ, नवाबगंज, झूंसी और सोरांव में कुल आठ मामले दर्ज हैं। उप जिला मजिस्ट्रेट सोरांव भारती मीणा के नेतृत्व में एसीपी श्यामजीत प्रमिला सिंह और प्रभारी निरीक्षक सोरांव केशव वर्मा के साथ पुलिस और राजस्व की टीम ने सोरांव थाना क्षेत्र के राजापुर मल्हुआ में अपराध से अर्जित संपत्ति को कुर्क कर दिया। इसके पहले मुनादी कराई गई भूमि पर प्रशासन का बोर्ड लगा दिया गया। पुलिस के अनुसार विवेचना में यह तथ्य सामने आए हैं कि सोनू सिंह यादव और उसकी पत्नी शारदा देवी के द्वारा लोगों को डरा धमकाकर यह भूमि अर्जित की गई है। शारदा देवी के खिलाफ सोरांव, नवाबगंज और झूंसी में तीन मामले दर्ज हैं जबकि सोनू के खिलाफ आठ मुकदमे पंजीकृत हैं। इनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इसके गिरोह में कई लोग शामिल हैं। गिरोह का संचालन सोनू के द्वारा किया जाता है।

प्रयागराज एक्सप्रेस समेत 155 ट्रेनें हाई–स्पीड घोषित, हजारों रनिंग स्टाफ होगी होगा फायदा

प्रयागराज। पटरियों पर रफ्तार बढ़ाने के साथ ही रेलवे ने इसे मुमकिन बनाने वाले अपने रनिंग स्टाफ को बड़ा प्रोत्साहन दिया है। रेलवे बोर्ड ने प्रयागराज एक्सप्रेस समेत देश की 155 प्रमुख ट्रेनों को आधिकारिक तौर पर हाई स्पीड श्रेणी में शामिल कर लिया है। पटरियों पर रफ्तार बढ़ाने के साथ ही रेलवे ने इसे मुमकिन बनाने वाले अपने रनिंग स्टाफ को बड़ा प्रोत्साहन दिया

है। रेलवे बोर्ड ने प्रयागराज एक्सप्रेस समेत देश की 155 प्रमुख ट्रेनों को आधिकारिक तौर पर हाई स्पीड श्रेणी में शामिल कर लिया है। इस फैसले से इन ट्रेनों का संचालन करने वाले हजारों लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन मैनेजरों (गार्ड) के भत्तों में प्रति माह पांच से 10 हजार रुपये तक की बड़ी वृद्धि का रास्ता साफ हो गया है। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी सूची में प्रयागराज एक्सप्रेस, शिवगंगा एक्सप्रेस, वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, महाबोधि ,श्रम शक्ति आदि ट्रेनों को जगह दी गई है। दरअसल, महंगाई भत्ता (डीए) 50 फीसदी पार होने से माइलेज दरें पहले ही 25 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं, जिसके बाद अब लोको पायलट के लिए प्रति 100 किलोमीटर की दर 485 से बढ़कर 606 रुपये और गार्ड के लिए 439 से बढ़कर 549 रुपये हो गई है। चूंकि हाई–स्पीड ट्रेनें कम समय में अधिक दूरी तय करती हैं, इसलिए स्टाफ के पेड किलोमीटर और प्रति ट्रिप मिलने वाला विशेष बोनस भी बढ़ जाएगा।

धूमनगंज में स्टेशन मास्टर की पत्नी का फंदे से लटका मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। मुंडेरा में रेलवे स्टेशन मास्टर की पत्नी रीता यादव (47) का शव घर में फंदे से लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन घटना का कारण भी नहीं बता सके। मुंडेरा में रेलवे स्टेशन मास्टर की पत्नी रीता यादव (47) का शव घर में फंदे से लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन घटना का कारण भी नहीं बता सके। आशंका है कि मानसिक रूप से परेशान होकर महिला ने आत्महत्या की है।

सैयद सरावां स्टेशन पर तैनात प्रकाश चंद्र यादव मुंडेरा में पत्नी रीता और बेटे विनीत (21) के साथ रहते हैं। शुक्रवार सुबह वह ड्यूटी पर थे, जबकि बेटा सो रहा था। सुबह करीब 10रू30 रीता कमरे में फंदे पर लटकी मिलीं। उन्हें फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रकाश ने पुलिस को बताया कि सुबह सब कुछ ठीक था। रीता राजापुर की रहने वाली थीं। घटना की सूचना मिलने पर रीता के भाई रवि समेत अन्य परिजन घर और अस्पताल पहुंचे। धूमनगंज पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कृषि प्राविधिक सहायक भतह्व के आरक्षण मामले में हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कृषि प्राविधिक सहायक ग्रुप–सी भर्ती परीक्षा–2026 में आरक्षण नियमों के पालन को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कृषि प्राविधिक सहायक ग्रुप–सी भर्ती परीक्षा–2026 में आरक्षण नियमों के पालन को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकल पीठ ने आलोक कुशवाहा की याचिका पर दिया है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ की ओर से कृषि प्राविधिक सहायक के 2759 पदों पर भर्ती के लिए 24 मार्च 2026 को विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के आरक्षण के अनुरूप सीटों का निर्धारण नहीं किया गया। साथ ही आरक्षित वर्गों को निर्धारित अनुपात से कम सीटें दी गईं। कोर्ट ने सरकार से 29 मई 2026 तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

अब एक जून से रामबाग फ्लाईओवर समेत कई मार्गों पर नहीं चलेंगे ई–रिक्शे

प्रयागराज। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए रामबाग फ्लाईओवर समेत कई मार्गों पर एक जून से ई–रिक्शा का संचालन नहीं होगा। इससे पूर्व यातायात पुलिस ने 21 मई से संचालन बंद करने का फैसला लिया था लेकिन गंगा दशहरा, प्रतियोगी परीक्षाएं और बकरीद त्योहार को देखते हुए अब इसकी तारीख आगे बढ़ा दी है। नए ट्रैफिक प्लान के तहत रामबाग फ्लाईओवर, सिविल लाइंस हनुमान मंदिर से सुभाष चौराहा, लक्ष्मी टॉकीज से पुलिस क्लब चौराहा और कचहरी से विश्वविद्यालय मार्ग तक ई–रिक्शे नहीं चलेंगे। यातायात पुलिस ने ई–रिक्शा चालकों के लिए वैकल्पिक रूट भी तय किए हैं।

योग शिक्षिका के रुप में संध्या सिंह का हुआ चयन

प्रयागराज । प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के पी जी डिप्लोमा इन योग पाठ्यक्रम की छात्रा संध्या सिंह का चयन दिल्ली पब्लिक स्कूल वाराणसी में योग शिक्षिका के पद पर हुआ है। यह चयन संध्या सिंह के कठिन परिश्रम, अनुशासन, समर्पण एवं योग के प्रति गहरी निष्ठा का परिणाम है।विश्वविद्यालय परिवार ने इसे योग शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों ने संध्या सिंह को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने संध्या सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे योग के माध्यम से समाज को स्वस्थ एवं जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। संध्या सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय ईश्वर, माता पिता और गुरुजनों को देते हुए सभी के प्रति आभार जताया है।

आगरा ज़ोन के नए एडीजी एस.के. भगत ने किए गिरिराज महाराज के दर्शन

गोवर्धन। आगरा ज़ोन के नव नियुक्त अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एस. के. भगत ने शनिवार को गोवर्धन पहुंचकर गिरिराज महाराज के दर्शन किए और विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। हाल ही में पदभार ग्रहण करने के बाद उनका यह पहला धार्मिक दौरा रहा। मंदिर में पूजा–अर्चना के दौरान एडीजी भगत ने प्रदेश में शांति, सुदृढ़ कानून व्यवस्था एवं जनकल्याण की कामना की।

उनके आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। दर्शन–पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का स्वागत भी किया।

इस अवसर पर उनके साथ डीआईजी शैलेश कुमार पांडे एवं श्लोक कुमार भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने गोवर्धन क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा स्थानीय पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा एवं यातायात संबंधी जानकारी प्राप्त की। एडीजी एस. के. भगत के इस दौरे को प्रशासनिक एवं धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूपी में वक्फ संपत्तियों पर बड़ा एक्शन, 31 हजार से ज्यादा संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन रद्द

लखनऊ (संवाददाता)। उम्मीद पोर्टल भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा यूपी में शुरू की गई जांच के बाद वक्फ की 31 हजार से अधिक संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक वक्फ बोर्ड की 31 हजार से अधिक संपत्तियों में कई प्रकार की कमियां पाई गई है उसके बाद संपत्तियों के रजिस्टेश न को रद्द किया गया है। प्रदेश में दर्ज 1,18,302 वक्फ संपत्तियों में से 31,328 का पंजीकरण रद्द हुआ। इनमें से 31,192 संपत्तियों के वक्फ दावों को भी निरस्त कर दिया गया है। जांच के दौरान कई संपत्तियों के खसरा नंबर वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाए। उसके बाद एक्श लिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक कई मामलों में राजस्व अभिलेखों में दर्ज रकबे में बदलाव पाया गया। दस्तावेजों के मिलान और रिकॉर्ड सत्यापन के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आईं। गौरतलब है कि केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने 6 जून 2025 को सभी राज्यों को निर्देश दिया था कि 5 दिसंबर 2025 तक 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ प्रॉपर्टीज का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया जाए। हालांकि बाद में डेडलाइन 6 महीने के लिए बढ़ा दी गई, लेकिन उत्तर प्रदेश ने यह काम तय समय से पहले ही पूरा कर लिया।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के निकटवर्ती जनपद बाराबंकी में आज बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया है। चालक ने घर के बाहर सो रहे परिवार पर चढ़ा डंपर चढ़ा दिया,जिसमें चार लोगो की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद कोहराम मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक फतेहपुर–भनौली मार्ग पर शनिवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है।ग्राम झांसा में सड़क किनारे मच्छरदानी लगाकर सो रहे एक परिवार को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया।

11वाँ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह–24 मई 2026, रविवार

भयहरणनाथ धाम की भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटक स्थल 'बाबा भयहरणनाथ धाम' की राजस्व अभिलेखों में दर्ज वर्तमान भूमि व प्राचीन सार्वजनिक व सामलाती भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु '24 मई 2026, दिन रविवार' को '11वाँ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह' प्रबन्ध संस्था 'भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान' द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

महासचिव समाज शेखर' ने जानकारी देते हुए बताया कि–

1. '15 मार्च 2026 से' सभी के सहयोग से कब्जा धारकों के विरुद्ध व भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु सामूहिक सत्याग्रह जारी है।

2. 'एसडीएम सदर के निर्देश पर' राजस्व विभाग की टीम ने कब्जा धारकों को चिन्हित कर लिया है।

3. 'राजस्व टीम द्वारा निर्णय'रू धाम व सार्वजनिक भूमि को अलग कर 'पत्थर गाड़ने' का निर्णय लिया गया है। नाप के दौरान प्राचीन पार्किंग स्थल पर 'रास्ते व नदी के रूप में दर्ज भूमि को भी सार्वजनिक' करना तय हुआ था।

4. 'अवरोध'रू नायब तहसीलदार की अनुपस्थिति की वजह से '2 सप्ताह से कार्य अवरुद्ध' है।

5. 'नायब तहसीलदार दिनेश चन्द्र तिवारी का वादा'रू –ष्आप लोग सत्याग्रह जारी रखें, हम धाम की भूमि को कब्जा मुक्त करके ही रहेंगे।

'बैनर का विवरण'

'प्रसिद्ध पांडवकालीन ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटक स्थल'

'बाबा भयहरणनाथ धाम'

–राजस्व अभिलेखों में दर्ज धाम की वर्तमान भूमि व प्राचीन सार्वजनिक व सामलाती भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु–

'11 वाँ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह'

'24 मई 2026'

'आयोजक': भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान

'सहभागी': समस्त क्षेत्रीय समाज के नागरिक व भक्तगण

'25 साल बेमिसाल' – –सामाजिक तीर्थ सेवा, पुनर्निर्माण 2002–2027–

'पृष्ठभूमि': कटरा गुलाब सिंह स्थित यह धाम 1857 के क्रांतिवीर राजा गुलाब सिंह की धरती पर है। 27 साल से सामाजिक सत्याग्रह के माध्यम से धाम की भूमि व सार्वजनिक संपत्ति को बचाने का संघर्ष जारी है।

कुछ अदृश्य शस्त्र गुप्त रूप से देश, समाज पर बेहद घातक हमला कर रहे : अखिलेश यादव

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए शनिवार को कहा कि कुछ अदृश्य शस्त्र गुप्त रूप से देश, समाज और आपसी सौहार्द पर घातक हमला कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई सवाल उठाते हुए जांच की मांग की। उन्होंने कहा, असली शस्त्रों के तो लाइसेंस बनते हैं, लेकिन कुछ अदृश्य शस्त्र भी हैं, जो गुप्त रूप से देश, समाज और आपसी प्रेम पर अंदर से बेहद घातक हमला कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने पोस्ट में कहा, वकील कह रहे हैं कि लगे हाथ भाजपाइयों के घर, दुकान, कार्यालय और प्रतिष्ठानों के कागज तथा नक्शे मंगाकर उनकी वैधता की भी जांच की जाए। उन्होंने बिना नाम लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा से जुड़े लोगों पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा और उनके संगी–साथियों द्वारा निर्माण कार्यों, आयोजनों और आपदाओं के नाम पर जगह–जगह से बटोरे गये तरह–तरह के चंदे–फंड का हिसाब भी मांगा जाए और उनका ऑडिट हो। और हां जनता ये भी पूछ रही है कि इस बात का भी कानूनी पहलू समझाया जाए कि अनरजिस्टर्ड लोग जमीन किसके नाम से लेकर अपना निर्माण करते हैं और ये संपत्तियां कैसे बेनामी नहीं हैं? उन्होंने पोस्ट में कहा इसके अतिरिक्त जनता की जिज्ञासा ये भी है कि गुप्त–गतिविधियों में संलिप्त भाजपाई संगी–साथियों के ऐसे निर्माणों को कार्यालय कहा जाए या अड्डा? सपा प्रमुख ने कहा कि जनता यह भी जानना चाहती है कि इन संगी–साथियों का खर्च कौन उठाता है और वे विदेश यात्राएं क्यों करते हैं। यादव ने आरोप लगाया, ये संगी–साथी औपनिवेशिक समय से किसकी कठपुतली हैं? इन श्संगी–साथियोंश का इतिहास मुखबिरी का क्यों रहा है? ये

संगी–साथी सामाजिक सौहार्द क्यों बिगाड़ते हैं? उन्होंने कहा, वकील ये भी पूछ रहे हैं कि अब ये संगी–साथी किस नयी साजिश के तहत मानस के मान पर लाठियां चलवा रहे हैं?

प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने पर सवर्ण मोर्चा का राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में सवर्ण मोर्चा से जुड़े लोगों ने शनिवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को अपशब्द कहे। उसके बाद हमने लखनऊ में हमने उनके खिलाफ होर्डिंग लगाया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उस होर्डिंग को फाड़ दिया और अब सोशल मीडिया पर हमें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सवर्ण मोर्चा से जुड़े लोग राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेस दफ्तर घेरने जा रहे थे। तभी पुलिस ने हजरतगंज के पास उन्हें रोक लिया। यहां पर प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से बहस की। उनका कहना था कि राहुल गांधी की तुगलकी सेना की तरफ से लगातार जान से मारने की ध मकी दी जा रही है। ऐसे लोगों पर ऐसी कार्रवाई हो कि लखनऊ में दिखाई न दें। प्रदर्शन कर रहे विशाल कुमार सिंह ने कहा कि हमने 'राहुल गांधी हुए बेनकाब' का होर्डिंग लगवाया था, जिसके बाद कांग्रेसी बौखला गए। उस होर्डिंग में राहुल गांधी से कुछ सवाल किए थे जिसके बाद कांग्रेसी भड़क गए। अब उनकी तुगलकी सेना की तरफ से लगातार जान से मारने की ध मकी दी जा रही है। हमारा सवाल यह था कि अगर देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को गद्दार कहा गया है तो क्या वह जनता भी गद्दार है जिसने उनका चुनाव किया है? प्रदर्शन कर रहे सवर्ण मोर्चा के उपाध्यक्ष बसंत सिंह बघेल ने कहा अगर हमारे किसी साथी को हाथ लगा दिया तो हम उसको मुंहतोड़ जवाब देंगे। कांग्रेस के गुंडों ने हमारे संगठन के सदस्य को जान से मारने की ध मकी दी है। उनके कार्यालय पर हम जाकर उन्हें जवाब देना चाहते थे। हम उनको बताना चाहते हैं कि अगर किसी भी क्षत्रिय को कुछ कहा तो हम उन्हें मिट्टी में गाड़ देंगे। अगर उनके ऊपर कारवाई नहीं हुई तो हम जहां कांग्रेसियों को पाएंगे, वहीं निपटेंगे। पुलिस कुछ करना नहीं चाहती। कितने लोगों ने अपनी जान की रक्षा की मांग की मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हम लोग आर–पार की लड़ाई लड़ेंगे। प्रदर्शन कर रहे मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक संदीप सिंह ने कहा– राहुल गांधी ने देश के प्रध ानमंत्री को गद्दार कहा यह शर्मनाक है। यह अपमान प्रध ानमंत्री का नहीं है बल्कि देश की जनता का है जिसने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में चुना। इस बयान के बाद सवर्ण मोर्चा के सदस्यों ने 'बेनकाब राहुल गांध ी' नाम से शहर में होर्डिंग लगवाए थे। उन होर्डिंग को फाड़ दिया गया। उसके बाद धमकी दी जाने लगी कि तुमको जिंदा जला देंगे। अब अगर कोई ऐसा धमकी भरा फोन आया तो लखनऊ में एक भी कांग्रेसी नहीं बचेगा।

यूपी में आसमान से बरस रही आग

30 हजार मेगावाट पहुंची बिजली की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार जारी है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में भीषण लू तथा पश्चिमी हिस्सों में तेज धूलभरी हवाओं और कहीं–कहीं गरज–चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। इस बीच प्रचंड गर्मी और लू से शनिवार को भी लोग बेहाल रहे। सुबह 11 बजे से सड़कों पर आमतौर पर सन्नाटा पसर गया। सड़कों पर यातायात सामान्य से काफी कम रहा। इस दौरान व्यवसायिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं हालांकि सड़क किनारे बेल का शर्बत, आम का पना, गन्ने का रस, लस्सी, नीबूं पानी और कोल्ड ड्रिंक्स बेचने की पौ बारह रहीं। प्रदेश के अधिसंख्य इलाकों में लू का असर रात को भी दिखने लगा है। गर्म हवायें रात को भी सता रही है। मौसम के तल्ख मिजाज के बीच राज्य में बिजली की मांग पीक आवर्स में 30 हजार मेगावाट से अधिक पहुंचने लगी है। बिजली विभाग मांग और आपूर्ति में तालमेल बैठाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहा है मगर जर्जर ट्रांसफार्मरों और केबिलों के दगा देने से कई इलाकों में बिजली की आवाजाही लगातार बनी हुई है। बिजली की किल्लत से परेशान कुछ स्थानों पर विद्युत उपकेंद्रों पर उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच नोकझोंक आम होती जा रही है। गर्मी और लू के चलते बीमारियों ने भी पांव पसारना शुरु कर दिया है, नतीजन अस्पतालों और नर्सिंग होम्स में मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। इनमें से अधिकांश मरीज डिहाइड्रेशन,बुखार के थे। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि गर्मी को देखते हुये तेल मसाला युक्त भोजन,बासी भोजन,फास्ट फूड आदि से परहेज करें। भूख से कुछ कम खायें और खीरा,ककड़ी,पपीता, खरबूजा और तरबूज आदि फल भरपूर मात्रा में लें।

गुल अब्बास

मार्वल ऑफ पेरु कहें, या 'गुलाबासश फूल।
खिलते हैं जो शाम को, शशधर के अनुकूल।
शशधर के अनुकूल, फूल गर्मी में खिलते।
पीले सफेद लाल, रंग में हैं यह मिलते।
सुन लो कहें प्रदीप, शाम जब होती श्यामल।
भरते मधुर सुगन्ध,जिसे कहते हैं मार्वल।।

सुन्दर रंगों से रँगा, है जिसका इतिहास।
ऑर्नमिंटल पुष्प है, कहते 'गुल अब्बासश।
कहते 'गुल अब्बासश, रातभर खूब महकते।
'कृष्ण कलीश के साथ, 'चन्द्रमल्लीश भी कहते।
सुन लो कहें प्रदीप, बात सारी है प्रांजल।
चरबजवा है फूल, पंखुरी जिसकी सुन्दर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 26/22 दिनांक: 22.05.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38264233	न्यू डीरले स्टिफनिंग क्रॉस बार	10259 नग	17.06.2026
2	30262295	सेट ऑफ हाई कैपेसिटी थर्मोप्लास्टिक पॉलिस्टर इलास्टोमर अपर एंड लोवर डाबार	983 सेट	16.06.2026
3	30261013	किट फॉर केडब्लू टाईप डिस्ट्रीब्यूटर वॉल्व कंसिस्टिंग ऑफ 48 आइटम्स	5375 सेट	23.06.2026
4	10263110	लॉन्ग लाइफ लोको साइड बफर असेंबली	285 नग	29.06.2026

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1170/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं०: 2526262027 दिनांक 21.05.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदा दिनांक 19.06.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.: 1	निविदा नं.: 81
कार्य का विवरण: वरिष्ठ मंडल अभियंता/द्वितीय/प्रयागराज के क्षेत्र में वेल्डिंग पोर्शनों एवं वेल्डिंग उपकरणों की आपूर्ति एवं स्टैकिंग का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रु.): ₹ 3,18,63,862.13	बयाने की रकम (रु.): ₹ 6,37,300.00
कार्य समापन की अवधि: 12 (बारह) माह	निविदा खुलने की तिथि: 19.06.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम तकनीकी आधार: [illegible]	

नोट: (1) ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13.30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 19.06.2026 तक उपलब्ध है। [illegible] (8) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। [illegible] (11) ऑनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 19.06.2026 को समय 13.30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (12) [illegible] 1169/26 (A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर बहुउद्देशीय स्टाल और खानपान स्टाल अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

कैटरिंग

S.N. 1 Details of publicity: विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए बहुउद्देशीय इकाइयां: [illegible]
E-Auction catalogue No.: PRYJ-MPS-26-5
E-Auction Start Date & Time: 01.06.2026 at 11:00 hrs

S.N. 2 Details of publicity: विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए खानपान इकाइयां: [illegible]
E-Auction catalogue No.: PRYJ-CATG-26-11
E-Auction Start Date & Time: 03.06.2026 at 11:00 hrs

S.N. 3 Details of publicity: विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें: [illegible]
E-Auction catalogue No.: MSS-WVM-26-10
E-Auction Start Date & Time: 03.06.2026 at 11:00 hrs

S.N. 4 Details of publicity: 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयां: [illegible]
E-Auction catalogue No.: PRYJ-CATG-26-12
E-Auction Start Date & Time: 04.06.2026 at 11:00 hrs

S.N. 5 Details of publicity: 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयां: [illegible]
E-Auction catalogue No.: PRYJ-CATG-26-13
E-Auction Start Date & Time: 05.06.2026 at 11:00 hrs

S.N. 6 Details of publicity: विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें: [illegible]
E-Auction catalogue No.: MSS-WVM-26-11
E-Auction Start Date & Time: 05.06.2026 at 11:00 hrs

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। [illegible] 1166/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

लू से हलकान जिंदगी

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन–जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं है, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है। स्कूल–कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे–धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन–चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय–समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुनर्निधारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है,लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं। देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। वक्त की मांग है कि भीषण गर्मी वाले महीनों के लिये तत्काल व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया जाए। ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है जो लू चलने के दौरान सुरक्षित कार्य परिस्थितियों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान करे। इस साल के आरंभ में वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि भीषण गर्मी के दौरान चलने वाली लू को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिसूचित आपदाओं की सूची में शामिल किया जाए। निस्संदेह, इस वर्गीकरण से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से मिलने वाले धन का उपयोग लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने में मदद देगा। इसके अलावा लू के दौरान कई अन्य नकारात्मक प्रभाव भी देखने में आते हैं। मसलन इस समय बिजली व पानी की खपत अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाती है। इससे निबटने के लिये मजबूत और सक्रिय तंत्र विकसित करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से देश के नीति–निर्माताओं और अन्य हितधारकों के सामने इस संकट से मुकाबले के लिये स्पष्ट विकल्प मौजूद हैं। केंद्र व राज्य सरकारों को चाहिए कि समय रहते निर्णायक रूप से अनुकूलन का तंत्र विकसित करें। यदि समय रहते इस दिशा में कदम नहीं उठाया गया तो भविष्य में अधिक मानवीय क्षति व आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

'टी.सी.एस.' नासिक जैसे मतांतरण रुक क्यों नहीं रहे?

बलबीर पुंज

यह लेख प्रख्यात लेखक, स्तंभकार और विचारक स्वर्गीय बलबीर पुंज जी ने अपने निधन (18 अप्रैल) से एक दिन पूर्व, अगले सप्ताह प्रस्तावित हिंदी स्तंभ के लिए लिखा था। मतांतरण मामले में निदा खान की गिरफ्तारी और ए.आई.एम. आई.एम. नेताओं द्वारा उसे दिए गए संरक्षण की खबरों ने फिर से नासिक टी.सी.एस. मामले को चर्चा में ला दिया है। ऐसे में पुंज जी का यह लेख प्रासंगिक हो जाता है। कॉलम मेरे पिछले आलेख, 'असहज सच से मुंह मोडने की 'सैकुलर' कीमत' (16 अप्रैल) की अगली कड़ी है। तब मेरा तर्क था कि भारत में स्वयंभू 'सैकुलर' बुद्धिजीवियों का एक वर्ग, दशकों से संविधान के तटस्थ संरक्षक के रूप में कम और संगठित मतांतरण गिरोह के साथ वैचारिक कट्टरवाद के पैरोकार के रूप में अधिक कार्य कर रहा है। नासिक टी.सी.एस. मतांतरण मामले ने एक बार फिर से असहज करने वाली काली सच्चाई को उजागर कर दिया है। भारतीय उपमहाद्वीप इस परिस्थिति को समझने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदर्भ प्रदान करता है। इतिहास साक्षी है कि जहां कहीं भी इस्लाम ने व्यापक सामाजिक या राजनीतिक प्रभुत्व हासिल किया, वहां बहुलतावाद, सह–अस्तित्व और लोकतंत्र को 'दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फैंक दिया' गया। इसमें इस्लाम–पूर्व संस्कृतियों, उनकी परंपराओं और सभ्यतागत स्मृतियों को या तो बेरहमी से हाशिए पर धकेल दिया गया या पूरी तरह मिटा दिया गया। ऐसे मजहबी समाज में गैर–मुस्लिमों का दमन बेखौफ होता है और तब छद्म–सैकुलरवाद जैसे किसी दिखावे की आवश्यकता भी नहीं रहती। पूरे उपमहाद्वीप में जनसांख्यिकीय विषमता चौंकाने वाली ही नहीं, बल्कि भयावह है। विभाजन के समय, खंडित भारत में मुसलमानों की आबादी 10 प्रतिशत से कम थी, अब 15 प्रतिशत से अधिक है। वहीं दूसरी ओर, 1947 से पहले भारत का हिस्सा रहे पाकिस्तान में हिंदू–सिख कुल आबादी का 15–16 प्रतिशत थे, आज वे 2 प्रतिशत भी नहीं हैं। बंगलादेश में, हिंदू–बौद्ध आबादी दशकों में 28–30 प्रतिशत से सिकुड़कर 8–9 प्रतिशत रह गई है। लाहौर इसका एक मार्मिक उदाहरण प्रस्तुत करता है। पारंपरिक रूप से भगवान श्रीराम के पुत्र लव से जुड़ा यह ऐतिहासिक नगर कभी सनातन विरासत का जीवंत प्रतिनिधित्व करता था। सैयद मुहम्मद लतीफ द्वारा 19वीं सदी में लिखित 'लाहौर' पुस्तक में उन सैंकड़ों मंदिरों और पूजा स्थलों का उल्लेख है, जो कभी वहां गुलजार थे। 2003 में अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान, मैंने उस महान सभ्यतागत परिदृश्य को खोजने का प्रयास किया। जो कुछ बचा था, वह केवल मजहबी उपेक्षा और पतन का दर्पण था। ऐसे ही अफगानिस्तान 1000 साल पहले तक ड्क्षहदू–बौद्ध शिक्षा का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र, तो श्री गुरु नानक देव जी की पवित्र यात्राओं से धन्य हुआ क्षेत्र था। महमूद गजनी के दौर से जारी सतत् जेहाद के बाद जिन हिंदू–सिखों की संख्या 1970 के दशक में घटकर कुछ लाख रह गई थी, उन्हें अब मजहबी यातनाओं, गृहयुद्ध और तालिबान के क्रूर शासन ने लगभग जड़ से समाप्त कर दिया है। कश्मीर आज भी खंडित भारत का रिसता घाव बना हुआ है। कभी शैव–बौद्ध विद्वता के लिए पूरे विश्व में विख्यात महर्ष कश्यप की यह पावन भूमि 14वीं शताब्दी के बाद गहन जेहाद के दौर से गुजरी। सतत् इस्लामीकरण ने इस भूखंड के जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक चरित्र को कुचल कर रख दिया। ड्क्षहदू डोगरा शासन (1846–1947) में बहुलतावाद का एक संक्षिप्त पुनरुद्धार अवश्य देखा गया, परंतु 20वीं सदी के दौरान, शेख अब्दुल्ला की सांप्रदायिक राजनीति ने सैकुलरवाद के नाम पर इस्लामी 'ईको–सिस्टम' को फिर से मजबूत कर दिया। इसका दुष्परिणाम 1980–90 के दौर में तब सामने आया, जब इस्लाम के नाम पर कश्मीरी पंडितों का उन स्थानीय मुस्लिमों ने मजहबी दमन किया, जो कभी उनके मित्र–पड़ोसी हुआ करते थे। जेहाद से त्रस्त लाखों पंडित पलायन के बाद अपने ही देश में शरणार्थी बन गए, जबकि अधिकांश 'सैकुलर' इस त्रासदी की वैचारिक जड़ों की अवहेलना करके खोखली 'गंगा–जमुनी' तहजीब का बेसुरा राग अलापते रहे। उपमहाद्वीप के कई मुसलमानों के लिए मजहबी निष्ठा राष्ट्र से ऊपर है। इस संदर्भ में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराजा हरि सिंह के पुत्र डा. कर्ण सिंह द्वारा लिखित आत्मकथा 'हेयर अपेरेंट' में दर्ज घटनाक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। अक्तूबर 1947 में जम्मू–कश्मीर पर पाकिस्तान समर्थित आक्रमण को याद करते हुए, उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे रियासती सैन्यबल के मुस्लिम कर्मी मजहबी आत्मीयता से प्रभावित होकर महाराजा से गद्दारी करते हुए शत्रुओं से जा मिले। इस्लामी पाकिस्तान में हिंदू–ईसाई–सिख लड़कियों के अपहरण–मतांतरण की खबरें नियमित रूप से सामने आती हैं। चूंकि भारत में इस तरह के कृत्यों को खुलेआम अंजाम नहीं दिया जा सकता, इसलिए 'लव–जेहाद' जैसे मजहबी उपक्रमों का सहारा लिया जाता है। नासिक टी.सी.एस. प्रकरण इसी विषैली मानसिकता का एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। बात केवल मतांतरण तक सीमित नहीं है। हालिया वर्षों में रामनवमी और हनुमान जयंती समारोह सहित अन्य हिंदू शोभायात्राओं के दौरान बार–बार पूर्व–नियोजित झड़पें भी देखी गई हैं। इस साल की शुरुआत में होली के दौरान दिल्ली के उत्तम नगर में मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदू युवक की पीट–पीटकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। वर्ष 2021 में मद्रास उच्च न्यायालय ने मुस्लिम–बहुल क्षेत्रों से हिंदू जलूसों को रोकने संबंधी मुस्लिम पक्षों की मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह चिंतन देश के पंथनिरपेक्षी ताने–बाने को तार–तार कर देंगे। भारत की असली ताकत इसके सभ्यतागत बहुलतावाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र में निहित है।

भारत का समावेशी चरित्र सदियों से केवल अपने हिंदू सभ्यतागत लोकाचार के कारण ही जीवित है। ऐसे में स्वामी विवेकानंद की उस चेतावनी का संज्ञान लेना आवश्यक है, जिसमें उन्होंने अप्रैल 1899 में 'प्रबुद्ध भारत' से साक्षात्कार करते हुए कहा थारू 'हिंदू परिधि से बाहर जाने वाला प्रत्येक व्यक्ति केवल एक व्यक्ति कम होना नहीं है, बल्कि एक शत्रु का बढना है।' क्या समाज समय रहते सचेत होगा?

भारतीय भाषाओं को सशक्त करना ही भारत की आत्मा को सशक्त करना है : प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी CBSE के त्रिभाषा सूत्र (R3) के समर्थन में उठी राष्ट्रीय आवाज

नई दिल्ली। कक्षा 9 से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ब्ठैम्) द्वारा त्रिभाषा सूत्र (त्3) के कार्यान्वयन के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका (च्स्) के बाद देशभर में भारतीय भाषाओं, सांस्कृतिक अस्मिता और शिक्षा नीति को लेकर व्यापक चर्चा प्रारंभ हो गई है। शिक्षा जगत, भाषाविदो तथा भारतीय भाषाओ के समर्थको का मानना है कि यह केवल पाठ्यक्रम से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि भारत की भाषाई पहचान, सांस्कृतिक निरंतरता और शैक्षिक न्याय से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है।

'भारतीय भाषाओं को लेकर बढ़ी राष्ट्रीय चिंता'

विशेषज्ञों का कहना है कि देश के सीमित अभिजात्य वर्ग अथवा विदेशी भाषा समर्थक समूहों की अपेक्षाओं के आधार पर करोड़ों विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं के अध्ययन से वंचित नहीं किया जा सकता। अधिकांश विद्यार्थी आठवीं कक्षा तक किसी भारतीय भाषा का अध्ययन करते हैं और नई व्यवस्था उन्हें कक्षा 9 एवं 10 तक उसी भाषा का अध्ययन जारी रखने का अवसर प्रदान करती है।

'भारत की भाषाएँ केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना और ज्ञान परंपरा की आधारशिला हैं।' इस विषय पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि भारत की भाषाएँ केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना और ज्ञान परंपरा की आधारशिला हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय भाषाओ को शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र में स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है तथा सीबीएसई केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का त्रिभाषा सूत्र उसी दूरदर्शी सोच का व्यावहारिक स्वरूप है। प्रो. वरखेड़ी ने कहा जो विद्यार्थी प्रारंभिक कक्षाओ से भारतीय भाषाओं का अध्ययन करते आए हैं, उन्हें माध्यमिक स्तर पर भी भाषाई निरंतरता का अवसर मिलना चाहिए। मातृभाषा और भारतीय भाषाओ में शिक्षा विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास, आत्मविश्वास और सृजनात्मक क्षमता को सुदृढ़ करती है। भारत की भाषाई विविधता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और इसे संरक्षित तथा समृद्ध करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

'विदेशी भाषाओं का विरोध नहीं, भारतीय भाषाओं का सम्मान'

प्रो. वरखेड़ी ने स्पष्ट किया कि भारतीय भाषाओ के संवर्धन का अर्थ किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सदैव विश्व ज्ञान के प्रति उदार और खुला रहा है, किंतु अपनी भाषाई जड़ों को कमजोर कर कोई भी राष्ट्र दीर्घकाल तक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी नहीं रह सकता।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना से जुड़ा त्3 मॉडल'

शिक्षाविदों के अनुसार सीबीएसई द्वारा लागू किया जा रहा त्3 मॉडल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (छम्ब् 2020) की मूल भावना के अनुरूप है। नई शिक्षा नीति मातृभाषा आधारित शिक्षा, बहुभाषिकता तथा भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष बल देती है।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शोधों में भी यह सिद्ध हुआ है कि विद्यार्थी अपनी परिचित भाषा में अधिक प्रभावी ढंग से सीखते हैं तथा उनका बौद्धिक, भावनात्मक और रचनात्मक विकास अधिक सुदृढ़ होता है।

'भारतीय भाषाओं के अध्ययन के प्रमुख लाभ'

1. बौद्धिक विकास

बहुभाषिक शिक्षा विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति, तार्किक चिंतन और रचनात्मकता को विकसित करती है।

2. शैक्षिक समानता

भारतीय भाषाएँ शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम हैं तथा इससे शिक्षा में कृत्रिम अभिजात्यवाद कम होता है। 3. सांस्कृतिक संरक्षण

भाषा के माध्यम से साहित्य, लोकज्ञान, परंपराएँ और राष्ट्रीय स्मृतियाँ सुरक्षित रहती हैं। 4.राष्ट्रीय एकता भारतीय भाषाएँ विभिन्न क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक संवाद और भावनात्मक एकता को सुदृढ़ करती हैं।

5.विद्यार्थियों के हित में निरंतरता

आठवीं कक्षा तक किसी भारतीय भाषा का अध्ययन कर चुके विद्यार्थियों को आगे भी उसी भाषा के अध्ययन का अवसर मिलना चाहिए।

'इसे लेकर जन–जागरण अभियान चलाने की आवश्यकता'

शिक्षा एवं संस्कृति से जुड़े विद्वानों ने देशभर में भारतीय भाषाओ के समर्थन में सकारात्मक जन–जागरण अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया है। सामाजिक मीडिया, प्रिंट मीडिया, डिजिटल मंचों, शिक्षण संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों से अपेक्षा की जा रही है कि वे बहुभाषिक शिक्षा और भारतीय भाषाओ के महत्व को समाज तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

बढ़ती घटती भूख

(लघुकथा)

रसोई में माँ ने डिब्बों से दाल चावल आटा और थैली से आलू निकाला, कुछ सोचने के बाद चारो में से थोड़ा थोड़ा कम किया। फिर दाल चावल धो कर और आलू काट कर कूकर के डिब्बों में रख एक साथ गैस पर चढ़ा दिया और आटा गूंधने लगी। आटा गूंध कर उसने लोई काटी तो गुंधे आटे से कुल पाँच लोइयाँ बनीं,थोड़ा थोड़ा आटा पाँचों लोई में से काट आठ लोई की गिनती पूरी की और रोटियाँ सेंक डालीं।

हर रात की तरह उसने चाटाई बिछा कर दो थाली तीन रोटियों वाली और एक थाली दो रोटियों वाली परोस कर सब को आवाज़ भी लगा दी। तीन रोटी, चावाल, एक कटोरी दाल और एक कटोरी सब्ज़ी वाली थाली अपनी तरफ़ खींचते हुए लड़के ने कहा माँ दो तीन दिन से खाना खाने के बाद भी मुझे भूख लगी रहती है,लगता है मेरे पेट में कीड़े हो गये हैं

बेटे की बात पर माँ ने अपनी थाली की दो रोटियों में से एक रोटी और उसकी थाली में रखते हुए कहा, जवानी में तेरे पापा को भी बहुत भूख लगती थी

बग़ल में बैठे पति ने पत्नी की बात पर मुस्कुराते हुए अपनी थाली में से एक रोटी उसकी थाली में रख दी अब तो तीन रोटी भी नहीं खा पाते हम

अनवार अब्बास नक़वी

गर्मी की मार, कौन जिम्मेदार!

जब सरकारें काम करना छोड़कर हिंदू–मुसलमान करने में समय बिताती हैं और जनता इस बात से खुश रहती है कि धर्म की रक्षा हो रही है, तो कैसे सारी व्यवस्था बिगड़ती है और किस तरह जनता ही इसमें सबसे ज्यादा शोषण का शिकार होती है, इसकी ताजा मिसाल गर्मी में लू और बिजली कटौती से मचे

हाहाकार के रूप में सामने आई है। देश के बड़े हिस्से में इस समय तापमान चढ़ा हुआ है। जानकार इस गर्मी की तुलना आग के गोले में फंसे होने से कर रहे हैं। लेकिन गर्मी में आम जनता को राहत दिए जाने की जगह बिजली कटौती की दोहरी मार दी जा रही है। प्रधानमंत्री तो पांच देशों में सात दिन बिताकर लौट आए हैं और अब वो अपने वातानुकूलित दफ्तर में रहेंगे, ए सी वाली कार में चलेंगे, जिसमें कितना पेट्रोल खर्च होगा उसका कोई हिसाब नहीं देगा। लेकिन लोग न पेट्रोल–डीजल खरीदने की हालत में बचे हैं, न उन्हें गैस सिलेंडर मिल रहे हैं और न बिजली मुहैया हो रही है। उत्तरप्रदेश के गोरखपुर से तस्वीरें सामने आई हैं, जहां लोग रसोई गैस के लिए रात भर लाइनों में लगे हैं। गर्मी और मच्छरों से जूझ रहे हैं और सड़क पर मच्छरदानी लगाकर सो रहे हैं। ऐसा ही हाल देश के कई शहरों का है। दिल्ली में बिजली कटौती पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार पर सवाल उठाए हैं। इधर लखनऊ की फैजुल्लागंज से भाजपा विधायक डॉ. नीरज बोरा ने तो राज्य के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में बिजली की अघोषित कटौती की समस्या बताई कि पिछले तीन दिनों से लोग बिना बिजली के बेहाल हैं। सोचने वाली बात है कि जब सत्तारुढ़ दल के विधायक भी बिजली कटौती की शिकायत कर रहे हैं, तो हालात कितने बुरे होंगे। लखनऊ में तो बिजली न मिलने से गुस्साए लोगों ने बीते दिनों सीतापुर हाईवे जाम कर विरोध जताया। जब मुसीबत सिर पर आई तो लोग अपना गुस्सा निकाल रहे हैं और बिजली विभाग को कोस रहे हैं। लेकिन असल बात यह है कि सरकार का ध्यान बिजली–पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सुलभ करवाने की जगह इस बात पर है कि सड़क पर नमाज पढ़ने से लोगों को कैसे रोकना है। बकरीद से पहले पशु बचाओ मुहिम को कैसे तेज करवाना है। पूरे देश में भाजपा सरकारों का यही रवैया है। लेकिन यह लोगों के समझने की बात है, जो चुनाव के वक्त अपने जीवन स्तर में सुधार लाने के मुद्दे से ज्यादा धार्मिक मुद्दों पर बंटने के लिए तैयार हो जाती है, या फिर मुफ्त योजनाओं के फेर में पड़ती है। लेकिन असल में मुफ्त कुछ भी नहीं मिलता, सब चीजों की कीमत सरकार कहीं न कहीं से वसूल ही लेती है। जेठ के महीने में गर्मी पड़ना कोई अनूठी बात नहीं है। हमेशा से वैशाख और जेठ के महीने तपते हैं, नौतपा में आसमान से आग बरसती है। लेकिन उनसे बचने के लिए पहले पेड़–पौधे, तालाब आदि बने रहते थे, जो बड़ी तेजी से गायब कर दिए गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 20 मई को कम से कम 27 शहरों में तापमान 45 डिग्री से ऊपर रहा। इसमें वर्धा, नागपुर, अमरावती, चंद्रपुर, अकोला, यवतमाल छह शहर तो विदर्भ के ही हैं, वहीं बुंदेलखंड क्षेत्र के 4 शहरों बांदा, खजुराहो, दमोह, सतना में भी जबरदस्त गर्मी रही। बांदा में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो पूरे देश और दुनिया में सबसे अधिक रहा। ये दोनों क्षेत्र मध्य भारत के सूखे और अर्ध–सूखे पठारी इलाकों में आते हैं। विदर्भ सतपुड़ा पर्वतमाला के दक्षिण में स्थित है, जहां गर्म हवाएं आसानी से प्रवेश करती हैं। वहीं बुंदेलखंड में चट्टानी जमीन, कम जलसंग्रहण की कम क्षमता और तेज जल निकासी होती है।

रचना सक्सेना के गीत

सब कुछ रहे पास में अपने, मगर भावना हीन।
क्यों होते कुछ लोग जगत में, परनिन्दा में लीन।।

अनुरागी मन शीतल होता,देता शीतल छाँव
थक कर पथिक जहाँ सुस्ताता,जीवन की वह ठाँव।।
मगर डाह जो हिय में रहती सुख सब लेती छीन।
क्यों होते कुछ लोग जगत में, परनिन्दा में लीन।।

सरल सहज स्वभाव हमेशा, छोड़े अच्छी छाप।
दिल से दिल भी जुड़ जाते है, मिटता हिय का ताप।
काम, क्रोध के साथ लोभ भी, अवगुण साखी तीन।
क्यों होते कुछ लोग जगत में, परनिन्दा में लीन।।

सब कुछ पाकर भी खो जाता, अंदर बैठा चोर।
खाई रिश्तों में खिच जाती, दिखती टूटी डोर।।
अंतर रोता चीख चीखकर,आँसू बह नमकीन।
क्यों होते कुछ लोग जगत में, परनिन्दा में लीन।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

मैं नशे में धुत रहती थी

शरीर से बदबू आने लगी थी... सुकून की तलाश में शराब पीने लगी थी जाह्नवी कपूर, ऐसे आईं बाहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह फिल्म या ग्लैमरस लाइफस्टाइल नहीं बल्कि उनका वायरल बयान है। श्रीदवी की बेटी जाह्नवी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी जिंदगी के उस दौर के बारे में बात की, जब वह अंदर से पूरी तरह टूट चुकी थीं। उन्होंने बताया कि उस मुश्किल समय में शांति और सुकून की तलाश उन्हें शराब की ओर ले गई। गम से बाहर आने की कोशिश जाह्नवी कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान नाजुक वक्त के बारे में जिक्र करते हुए बताया कि यह सब एक दर्दनाक और भावनात्मक अनुभव के बाद शुरू हुआ, खासतौर पर ब्व्टप्क–19 के दौरान, जब जिंदगी पहले से ही कठिन दौर से गुजर रही थी। मैं आमतौर पर बहुत कम शराब पीती हूं, शायद दो महीने में एक बार लेकिन उस मुश्किल समय में, करीब एक साल तक ऐसा दौर रहा जब मैंने सामान्य से ज्यादा शराब पीना शुरू कर दिया। यह मेरे जीवन की बहुत दर्दनाक घटना के बाद हुआ था। हालांकि यह लत या दुरुपयोग नहीं था, बल्कि एक कठिन परिस्थिति से जूझने का उनका तरीका बन गया था। उन्होंने कहा कि उस मुश्किल समय में इंसान किस तरह अलग–अलग तरीकों से खुद को संभालने की कोशिश करता है। उस दौरान वो अक्सर खुद से कहती थीं कि मुझे बस नशें में धुत्त होना है। ये किसी शौक या पार्टी के लिए नहीं, बल्कि खुद के अंदर चल रहे मेन्टल स्ट्रेस को कम करने की एक कोशिश थी। मैं शराब की एडिक्टेड नहीं हूं और न ही मैं इसे एब्यूज की केटेगरी में रखती हूं, लेकिन उस समय मैं बहुत ज्यादा और लगातार शराब पीने लगी थीं। मैं उस मुश्किल दौर से भागने का रास्ता खोज रही थी। जाह्नवी ने बताया कि एक वक्त के बाद मुझे इस बात का एहसास हो गया था शराब मेरे शरीर और मेंटल हेल्थ को और भी बिगाड़ रही है। सुबह उठने के बाद मुझे जो एहसास होता था वो बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। हैंगओवर मुझे चिड़चिड़ा और गुस्सैल बना रहा था। मुझे अपने शरीर से अजीब–सी बदबू भी आने लगी थी। जब मैंने उस बदबू को महसूस किया तो इसने मेरे लिए वेकअप कॉल की तरह काम किया। इसके बाद मैंने शराब को छोड़ने का फैसला किया। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि शराब के नुकसान जानने के बाद उन्होंने डेढ़ साल तक इसे हाथ भी नहीं लगाया। फिलहाल वो उस मुश्किल वक्त से बाहर आ गई है और अपने काम पर फोकर कर रही हैं। हाल ही में वह वरुण धवन के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आई थी। जल्द ही वह साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ फिल्म च्मककप में नजर आएंगी।एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया की शादी पर एक्ट्रेस के पिता और फिल्ममेकर बोनी कपूर ने सफाई दी है। बोनी ने उन तमाम दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि जाह्नवी और शिखर इस साल के आखिर में शादी करने वाले हैं। दरअसल पिछले कुछ दिनों से कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि यह कपल सितंबर या अक्टूबर के बीच गुजरात के जामनगर में एक पारंपरिक समारोह में शादी कर सकता है। जब इन अटकलों के बारे में बोनी कपूर से पूछा गया, तो उन्होंने ई–टाइम्स से बातचीत में सीधे तौर पर कहा, ष्नहीं, यह सच नहीं है।ष परिवार के करीबी हैं शिखर पहाड़िया शिखर को अक्सर कपूर परिवार के निजी कार्यक्रमों और छुट्टियों में देखा जाता है। वे न केवल जाह्नवी के साथ वेकेशन पर जाते हैं, बल्कि अक्सर मंदिरों के दर्शन के लिए भी परिवार के साथ नजर आते हैं। जाह्नवी ने भी अप्रैल 2024 में श्कॉफी विद करणश के एक एपिसोड में इशारों में बताया थी कि वह किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों का नाम सबसे पहले तब जुड़ा था, जब जाह्नवी ने बॉलीवुड में डेब्यू भी नहीं किया था। साल 2016 में कुछ समय तक एक–दूसरे को डेट करने के बाद दोनों अलग हो गए थे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से वे अक्सर सार्वजनिक जगहों पर साथ नजर आते हैं। प्यार में सुरक्षित महसूस करती हैं जाह्नवी हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान जाह्नवी ने प्यार और अपने पार्टनर के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने शिखर का नाम लिए बिना कहा, ष्प्यार सुरक्षित महसूस कराता है। उनकी मौजूदगी की वजह से अब मैं खुद को उतना बेबस महसूस नहीं करती।ष उन्होंने आगे कहा कि वह इस रिश्ते में एक बच्ची की तरह रह सकती हैं और उनके साथ उन्हें सबसे ज्यादा मजा आता है। एक्ट्रेस के मुताबिक, इस प्यार ने उन्हें अपने सबसे सच्चे रूप में रहने में मदद की है।

"मैं वर्जिन हूं बेबी", सना मकबूल के बयान ने मचाया बवाल, रिलेशनशिप को लेकर खोला बड़ा राज

टीवी इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस ओटीटी 3' की विजेता सना मकबूल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनका कोई शो या प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक ऐसा बयान है जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बेहद साफ और बेबाक अंदाज में बात की। चालिए आपको बताते हैं आखिर एक्ट्रेस ने ऐसा क्या बोला हैं। एक बातचीत के दौरान सना मकबूल ने कहा, "मैं वर्जिन हूं बेबी३ सच में!" उनके इस बयान ने न सिर्फ इंटरव्यू लेने वाले को हैरान कर दिया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह तेजी से वायरल हो गया। उन्होंने बताया कि अब तक वह किसी भी रिलेशनशिप में नहीं रही हैं और न ही उन्होंने कभी किसी तरह का फिजिकल रिलेशन या हुकअप एक्सपीरियंस किया है। सना ने इंटरव्यू में साफ कहा कि यह उनका निजी फैसला है और इसके पीछे कोई धार्मिक कारण नहीं है। उनके मुताबिक, आज के समय में रिश्तों में भरोसा बनाए रखना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्यार में धोखा मिलने और दिल टूटने का डर रहता है, जिसकी वजह से वह रिलेशनशिप से दूरी बनाए रखती हैं। बातचीत के दौरान सना ने अपनी पिछली रिलेशनशिप का जिक्र भी किया। उन्होंने बताया कि जब उनके करियर में सफलता आने लगी तो उनके पार्टनर के साथ चीजें बदलने लगीं और रिश्ते में तनाव आ गया। इसी अनुभव ने उन्हें और ज्यादा सतर्क बना दिया और वह किसी नए रिश्ते में जाने से पहले सोच–समझकर कदम उठाना पसंद करती हैं। सना के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग–अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ लोग उनकी ईमानदारी और खुलकर अपनी बात रखने की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ इसे सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट भी बता रहे हैं। कई यूजर्स ने इस मुद्दे को लेकर समाज में बदलती सोच और रिश्तों को लेकर बढ़ती जटिलताओं पर भी बहस शुरू कर दी है। इस पूरे मामले के बाद सना मकबूल लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। उनका यह इंटरव्यू इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनके बयान को लेकर लगातार अपनी राय दे रहे हैं।

यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' की लीड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने सोशल मीडिया पर चल रहीं फर्जी खबरों पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल कई रिपोर्टस में दावा किया गया था कि कियारा ने यश के साथ अपने कुछ रोमांटिक और बोल्ड सीन्स को छोटा करने या हटाने की मांग की है। यह भी दावा किया जा रहा था कि कियारा ने यश के साथ एक श्बोल्ड रोमांटिक सीक्वेंसश शूट किया था। फाइनल आउटपुट देखने के बाद कियारा असहज हो गईं और उन्होंने मेकर्स से इसे ट्रिम करने की रिक्वेस्ट की। अब कियारा ने सोशल मीडिया पर इसी तरह की पोस्ट को री–शेयर करते हुए लिखा, "बिल्कुल बकवास"। उन्होंने इस तरह की सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। फिल्म में यश का डबल रोल गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में यश श्रायाश और श्टिकटश नाम के दो अलग–अलग किरदारों (डबल रोल) में नजर आएंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी के किरदार का नाम श्नादियाश है। इस गैंगस्टर ड्रामा में नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे स्टार्स भी अहम भूमिकाओं में हैं। बार–बार टल रही है फिल्म की रिलीज डेट रिलीज की बात करें तो 'टॉक्सिक' के दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। फिल्म पहले 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 2026 कर दिया गया। इसके बाद 19 मार्च 2026 की तारीख सामने आई, जिसे पश्चिम एशिया के हालातों और फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ क्लैश से बचने के लिए फिर टाल दिया गया। लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, फिल्म अब 4 जून 2026 को भी रिलीज नहीं हो रही है। मेकर्स जल्द ही नई फाइनल डेट का एलान कर सकते हैं।

डांसर और एक्ट्रेस धनश्री वर्मा ने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ शादी की थी. हालांकि, अब दोनों का तलाक हो गया. वहीं अब लगता है धनश्री वर्मा अपनी लाइफ में आगे बढ़ चुकी हैं और उन्हें प्यार हो गया है. धनश्री वर्मा ने एक पोस्ट शेयर कर सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है. जिसे देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि शायद उनकी जिंदगी में एक बार फिर प्यार ने दस्तक दे दी है. युजवेंद्र चहल संग तलाक के बाद धनश्री वर्मा को फिर हुआ प्यार? धनश्री वर्मा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की है, जिसमें वो अपनी एक फ्रेंड के साथ डांस करती नजर आ रही हैं. इस वीडियो पर लिखा है, श्मैं फिर से प्यार में हूंश वहीं इसके आगे लिखा है, मेरी बेस्टी फिर से उन पर नफरत जताने के लिए तैयार है.श इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल तेज हो गई है और फैंस इसे उनकी पर्सनल लाइफ से जोड़कर तरह–तरह के कयास लगा रहे हैं. लोग कर रहें जमकर रिएक्ट उनके इस वीडियो पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहें हैं. एक यूजर ने लिखा, शफिर से यू और जेड लेटर के साथ प्यार मत करना.श वहीं दूसरे ने लिखा, श्आप दोनों मेरे फेवरेट हो.श कुछ लोगों ने धनश्री की तारीफ की और उन्हें काफी फनी बताया. युजवेंद्र चहल और धनाश्री वर्मा का रिश्ता क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनाश्री वर्मा ने 22 दिसंबर 2020 को शादी की थी. हालांकि दोनों का पिछले साल 2025 में तलाक हो गया. दोनों के रिश्ते में अनबन होने लगी और फिर अब कपल ने तलाक लेकर अपनी राहें अलग कर ली है. बता दें धनाश्री वर्मा संग तलाक के बाद क्रिकेटर युजवेंद्र चहल का नाम आरजे महवश के साथ जुड़ा. दोनों को अक्सर साथ में कई बार देखा गया. इसके बाद मीडिया में ऐसी चर्चा हुई. युजवेंद्र चहल और आरजे महवश एक–दूसरे एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं. लेकिन कुछ टाइम के बाद दोनों की ब्रेकअप की भी खबरे सामने आई. फिलहाल दोनों ने खुद अपने रिश्ते पर कभी खुलकर बात नहीं की है.

बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए ट्राई करके देखें करी पत्ते से बना ये हेयर पैक, हेयरफॉल से मिलेगा छुटकारा

करी पत्ते में तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जोकि आपकी हेयर हेल्थ के लिए काफी अच्छा और फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आप अपने बालों को लंबा और घना बनाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अधिकतर लोगों के साथ आजकल हेयर फॉल संबंधी समस्याएं होती हैं। आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से लोग सेल्फ केयर पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों को लंबा और घना बनाना चाहते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। करी पत्ते में तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जोकि आपकी हेयर हेल्थ के लिए काफी अच्छा और फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आप अपने बालों को लंबा और घना बनाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर ग्रोथ के लिए करी पत्ते के इस हेयर पैक को बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। इस हेयर पैक के लिए आपको मेथीदाना और नारियल के तेल की भी जरूरत पड़ेगी।

ऐसे बनाएं हेयर पैक

इस हेयर पैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक गिलास पानी लें। इसमें एक मुट्ठी मेथी दाना और एक मुट्ठी करी पत्ता डाल लें। फिर इन दोनों चीजों को पानी में रातभर के लिए भिगोकर रख दें। वहीं अगले दिन सुबह इन सभी चीजों को अच्छे से पीस लें। आप अच्छे परिणाम पाने के लिए इसमें नारियल तेल भी मिला सकते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

इस हेयर पैक को अपने बालों और स्कैल्प पर अच्छे से अप्लाई करें। वहीं आप अगर बेहतर रिजल्ट पाना चाहते हैं तो इस हेयर मास्क को करीब 30 मिनट से लेकर 1 घंटे तक अपने बालों पर लगाएं। इसके बाद नॉर्मल पानी से हेयर वॉश कर लें। इसका पॉजिटिव असर आपको खुद–ब–खुद महसूस हो जाएगा।

बालों की सेहत के लिए अच्छा

करी पत्ते में पाए जाने वाले तत्व हेयर हेल्थ को इंप्रूव करते हैं। अगर आप भी बालों की लंबाई को बढ़ाना चाहती हैं, तो आप रेगुलर तौर पर इस हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस हेयर पैक से हेयर फॉल जैसी समस्या से राहत मिलेगी। वहीं मेथी दाना, करी पत्ता और नारियल का तेल मिक्स करके लगाने से बालों की जड़ों को पोषण मिलेगा। इस हेयर पैक से आपके रूखे और बेजान बाल सिल्की और स्मूदी बन सकते हैं।

न बहुत जल्दी न बहुत लेट.... बच्चे से शारीरिक बदलावों के बारे में बात करने की ये है सही उम्र

हाल ही के एक अध्ययन में कहा गया कि बच्चों के साथ यौवन के बारे में बात करना शुरू करने की सही उम्र पर माता–पिता में समान रूप से मतभेद हैं। साथ ही, अधिकांश माता–पिता इस बात पर सहमत हैं कि अपने बच्चों से यौवन के बारे में बात करना महत्वपूर्ण है, लेकिन बातचीत कब और कैसे शुरू की जाए, यह अक्सर कम स्पष्ट होता है। चलिए जानते हैं कि बच्चों से उनके शरीर में होने वाले बदलावों (जैसे प्यूबर्टी, हार्मोनल बदलाव आदि) के बारे में बात करने की सही उम्र आखिर क्या है।

6 से 8 साल की उम्र

इस उम्र में बच्चों कोशरीर के अंगों के सही नाम, उनकी सामान्य कार्यप्रणाली और शरीर की निजता के बारे में सिखाना शुरू कर देना चाहिए। उन्हें समझाएं कि उनका शरीर उनका अपना है और कोई भी बिना उनकी अनुमति के उन्हें छू नहीं सकता।

9 से 12 साल की उम्र के बच्चोंको आपको प्यूबर्टी के बारे में खुलकर बातचीत करनी चाहिए। लड़कों और लड़कियों दोनों को शरीर में आने वाले बदलावों जैसे किरूलड़कियों में पीरियड्स की शुरुआत, लड़कों में आवाज का भारी होना, शरीर पर बाल आना, हार्मोनल बदलाव और भावनात्मक उतार–चढ़ाव के बारे में साफ, सरल और सच्ची जानकारी देनी चाहिए।

13 साल और उससे ऊपर

इस उम्र में बच्चे ज्यादा सवाल करते हैं, इसलिए उन्हें यौन स्वास्थ्य,सेफ्टी, हॉर्मोन से जुड़ी भावनात्मक समस्याएं औरसही फैसले लेने की क्षमता के बारे में गाइड करें। उन्हें शरीर के प्रति आत्म–सम्मान और दूसरों के शरीर के प्रति सम्मान का भी पाठ पढ़ाएं।

बच्चों से बातचीत करते समय ध्यान देने वाली बातें

– खुले और ईमानदार तरीके से बात करें, कोई शर्म या डर न दिखाएं।

– बच्चों के सवालों को नजरअंदाज न करें, चाहे वो आपको कितने भी अजीब क्यों न लगें।

– उम्र के अनुसार जानकारी दें, न तो बहुत ज्यादा जल्दी, न ही बहुत ज्यादा देर करें।

– सही शब्दावली का प्रयोग करें, ताकि बच्चों को सही जानकारी मिले।

– बच्चों को शरीर की स्वच्छता के महत्व के बारे में भी सिखाएं।

नोटः बच्चों से सही समय पर और सही तरीके से की गई बातचीत उन्हें आत्मविश्वास, सुरक्षा और समझदारी के साथ बड़े होने में मदद करती है। बच्चों के साथ शुरुआती संवाद जितना सहज होगा, आगे चलकर वो आपसे अपने सवाल और समस्याएं उतनी ही आसानी से शेयर कर पाएंगे।

कुछ भी खाते ही बनने लगती है गैस? तो खा लें बस ये 6 बीज

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपने खानपान पर ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में कई बार हमें पेट में गैस, जलन या पेट फूलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। यह समस्या छोटी लग सकती है, लेकिन यह दिन–प्रतिदिन बढ़ सकती है और हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो घबराने की कोई बात नहीं है। हम आपको ऐसे कुछ बीजों के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल करके गैस की समस्या से राहत पा सकते हैं।

गैस की समस्या

गैस की समस्या आजकल बहुत सामान्य हो गई है। इसका मुख्य कारण हमारी बिगड़ी हुई जीवनशैली और खानपान है। जब हम कुछ खाते हैं, तो खाना पचने में गैस का निर्माण होता है। हालांकि, कुछ खाद्य पदार्थों को पचाना मुश्किल होता है, और इससे पेट में अधिक गैस बनती है। इससे पेट में फूलना, जलन, और असहजता हो सकती है। लेकिन अगर आप सही खाद्य पदार्थों और उपायों का सेवन करें, तो गैस की समस्या को कम किया जा सकता है।

ये बीज मदद कर सकते हैं

मेथी के बीज

मेथी के बीज पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। यह पेट में गैस बनने की समस्या को दूर करने में मदद करता है। मेथी के बीज में फाइबर और एंटी–ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, मेथी के बीज पेट की सूजन और दर्द को भी कम करने में सहायक होते हैं। आप मेथी के बीज को पानी में भिगोकर रख सकते हैं और सुबह उठकर उसे सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा, आप मेथी के बीज का पाउडर भी बना कर अपने खाने में डाल सकते हैं।

सौंफ के बीज

सौंफ का सेवन पेट की गैस को कम करने के लिए एक प्राचीन घरेलू उपाय है। यह पाचन क्रिया को सुधारता है और पेट में गैस के बनने की समस्या को कम करता है। सौंफ में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट की सूजन को भी कम करते हैं।आप सौंफ के बीज को सीधे चबा सकते हैं या फिर सौंफ का पानी बना कर पी सकते हैं। इसे खाने के बाद या भोजन के बाद लिया जा सकता है।

जीरे के बीज

जीरे के बीज पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। यह पेट में गैस, अपच और पेट दर्द की समस्या को दूर करता है। जीरे में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो पेट को साफ रखते हैं और पाचन को सुचारू बनाते हैं।जीरे को आप पानी में उबालकर उसका काढ़ा बना सकते हैं और पी सकते हैं। इसके अलावा, आप जीरे का पाउडर अपने भोजन में भी डाल सकते हैं।

धनिया के बीज

धनिया के बीज पेट के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। यह पाचन क्रिया को बेहतर करता है और पेट में गैस बनने की समस्या को दूर करने में मदद करता है। धनिया में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो पेट को राहत देते हैं और सूजन को कम करते हैं। धनिया के बीज को भूनकर उसका पाउडर बना लें और उसे गर्म पानी के साथ पी लें। इससे पेट को आराम मिलेगा और गैस की समस्या भी कम होगी।

अजवाइन के बीज

अजवाइन के बीज पाचन तंत्र को ठीक करने में मदद करते हैं और पेट में गैस बनने की समस्या को कम करते हैं। इसमें एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट को आराम देते हैं और सूजन को कम करते हैं। अजवाइन का सेवन पेट की समस्याओं को दूर करता है और पेट को साफ रखता है। आप अजवाइन के बीज को हल्का सा सेंककर खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। इससे पाचन में सुधार होगा और गैस की समस्या कम होगी।

तरबूज के बीज

तरबूज के बीज में फाइबर, मिनरल्स, और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करते हैं। यह पेट की सूजन और गैस की समस्या को कम करने में भी सहायक होते हैं। तरबूज के बीज को सेंककर खा सकते हैं या फिर उनका पाउडर बना कर पानी के साथ ले सकते हैं।

गैस की समस्या से बचने के अन्य उपाय

पानी का पर्याप्त सेवनः पानी पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और पेट की गैस की समस्या को कम करता है। दिन भर में कम से कम 8–10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें।

हल्का और संतुलित आहारः भारी और तली–भुनी चीजों से बचें। हल्का, पौष्टिक और फाइबर से भरपूर आहार लें, जो पाचन को बेहतर बनाए।

नियमित व्यायामः रोजाना थोड़ा–बहुत व्यायाम करने से पाचन क्रिया सुचारू रहती है और पेट में गैस की समस्या कम होती है।

तनाव से बचावः मानसिक तनाव भी गैस की समस्या को बढ़ा सकता है, इसलिए तनावमुक्त रहने की कोशिश करें। ध्यान, योग और प्राणायाम से मानसिक शांति प्राप्त की जा सकती है।

गैस की समस्या एक आम समस्या है, लेकिन सही आहार और जीवनशैली से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। ऊपर बताए गए बीजों का सेवन पेट में गैस की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। इसके साथ–साथ पानी का सेवन, हल्का आहार, और नियमित व्यायाम भी गैस की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं। अगर फिर भी समस्या बनी रहे, तो डॉक्टर से सलाह लेना महत्वपूर्ण है।

एलोवेरा से करें सेंसिटिव स्किन की केयर, जानें इस्तेमाल का तरीका

अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में आपको किसी भी प्रोडक्ट को बहुत ही सोच–समझकर इस्तेमाल करना होता है। अगर जरा सी भी लापरवाही बरती जाए तो इससे आपकी स्किन को बहुत अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। सेंसेटिव स्किन की केयर करने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। यह ना केवल स्किन पर जेंटल होता है, बल्कि इससे स्किन को ठंडक भी मिलती है। साथ ही साथ, बिना किसी साइड इफेक्ट के यह आपकी स्किन को ठीक भी करता है। चाहे सनबर्न हो, रैश हो या पूरे दिन की थकान, एलोवेरा आपकी स्किन की हर समस्या से निजात दिला सकती है। एलोवेरा का इस्तेमाल करना भी बेहद आसान है। आप घर पर ही एलोवेरा के पौधे से जेल निकालकर उसे इस्तेमाल कर सकते हैं। आप इससे फेस मास्क बना सकते हो, मिस्ट की तरह स्प्रे कर सकते हो या रोज़ मॉइस्चराइज़र की तरह भी लगा सकते हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि सेंसेटिव स्किन की केयर करने के लिए आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किन तरीकों से कर सकते हैं–

मॉइश्चराइज़र की तरह करें इस्तेमाल : एलोवेरा जेल को आप सेंसेटिव स्किन पर बतौर मॉइश्चराइजर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप पौधे से एलोवेरा जेल निकाल लें। फेस वॉश के बाद आप थोड़ा सा जेल चेहरे पर लगाओ। इससे आपकी स्किन को दिनभर ठंडक और नमी मिलती रहेगी।

फेस मिस्ट की तरह करें इस्तेमाल : एलोवेरा जेल गर्मी के दिनों में आपकी स्किन के लिए एक बेहतरीन फेस मिस्ट भी साबित हो सकता है। इसके लिए आप 1 हिस्सा एलोवेरा जेल + 2 हिस्से गुलाब जल लेकर मिक्स कर लें। अब इसे स्प्रे बोतल में भर लो। जब भी चेहरा टाइट या चिड़चिड़ा लगे, दिन में 2–3 बार स्प्रे कर लो। आप इसे मेकअप सेट करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हो।

ओवरनाइट सूदिंग मास्क की तरह करें इस्तेमाल : एलोवेरा जेल एक बेहतरीन ओवरनाइट सूदिंग मास्क भी साबित हो सकता है। इसके लिए आप रात को सोने से पहले साफ चेहरे पर ऐलोवेरा जेल लगाओ। रातभर लगा रहने दो। अगली सुबह आप आपको अपना चेहरा बेहद ही सॉफ्ट और सूदिंग महसूस होगा।

संक्षिप्त

स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता से खानपान में बदलाव, भारतीय थाली में बढ़ा मोटे अनाज का रुतबा

मुंबई,एजेंसी। देश में मोटा अनाज यानी मिलेट्स जिसे श्रीअन्न भी कहा जाता है, वह अब मात्र पारंपरिक या मौसमी अनाज नहीं रह गया है। अब यह भारतीय परिवारों की थाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सर्वेक्षण कंपनी लोकल सर्कल्स की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 70 प्रतिशत परिवार नियमित रूप से किसी ने किसी रूप से मिलेट्स यानी मोटे अनाज को अपने आहार में ग्रहण कर रहे हैं। इसमें रागी, बाजरा, ज्वार सहित जौ और मक्का शामिल है। साथ ही शाम के हल्की भूख के लिए लोग मखाने, चना, कुरमुरा, भेल और मूंगफली खाना पसंद कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि लोग मोटा अनाज स्वाद नहीं सेहत के लिए भी अपना रहे हैं। लगभग 43 प्रतिशत लोग मानते हैं, कि वे स्वास्थ्य कारणों से मोटे अनाज खाते हैं। जबकि 30 प्रतिशत लोगों ने माना है क भोजन में विविधता आती है, वहीं 15 प्रतिशत ने ध ार्मिक उपवास और कुछ लोगोंने स्थानीय उपलब्धता की वजह से भी इनकों आहार में शामिल किया है। अध्ययन बतता है कि 68 प्रतिशत परिवारों ने मोटे अनाज को सरकार के सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल करने की मांग की है। उनका कहना है, जैसे चावल और गेहूं को दिया जाता है, वैसे ही एक बड़ा हिस्सा मोटे अनाजों का भी होना चाहिए। रिपोर्ट का दावा है कि यह सर्वेक्षण देश के 346 जिलों में किया गया है, जिसमें 44 हजार से अधिक लोगों की राय जानी गई। जिसमें 48 प्रतिशत परिवार रागी , 32 प्रतिशत ने ज्वार को आहार में लेने की बात मानी है, जबकि 23 प्रतिशत परिवार अभी भी मोटे अनाज को भोजन में शामिल नहीं किया है। मसाला मेवा एवं किराणा एसोसिशन के अध्यक्ष योगेश गणत्रा कहते हैं, कोविड के बाद से लोग अब स्वास्थ्य को लेकर अधिक जागरुक हो रहे हैं। पहले की तरह अब लोग मोटे अनाज की और लौट रहे हैं। अभी तो शाम के हल्की भूख के लिए लोग मखाने, चना, कुरमुरा, भेल और मूंगफली खाना पसंद कर रहे हैं। जिसकी मांग पिछले कुछ समय बढ़ी है। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर कहते हैं, देश में मोटे अनाज यानी श्रीअन्न को बढ़ावा देने की मुहिम कुछ वर्षों से लगातार मजबूत हो रही है। प्रधानमंत्री ने भी नागारिकों से मोटे अनाजों को अपने दैनिक भोजन में शामिल करने की अपील के बाद इसकी मांग भी बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में जौ, बाजारा सहित मक्का की फसलों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। कई राज्यों कई तरह की योजनाएं किसानों की लिए शुरू की है। संयुक्त राष्ट्र ने साल 2023 को अंतरराष्ट्री मिलेट वर्ष घोषित किया था। भारतीय कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार साल 2024–25 में 180.15 लाख टन मिलेट का उत्पाद किया था। उत्पाद में राजस्थान सबसे आगे रहा, उसके बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक का स्थान रहा। भारत ने साल 2024–25 में 37 मिलियन डॉलर मूल्य के 89,164.96 टन मिलेट का निर्यात किया था।

भारतीय बाजार से 2027 तक रुठे रहेंगे विदेशी निवेशक, कमजोर रुपया बन रहा बाजार के लिए चुनौती

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में घरेलू निवेशकों का भरोसा लगातार बना हुआ है, लेकिन विदेशी निवेशक तेजी से पैसा निकाल रहे हैं। अमेरिकी वित्तीय संस्था बोफा ग्लोबल रिसर्च की रिपोर्ट ने संकेत दिया है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफआईआई की बड़ी वापसी 2027 से पहले मुश्किल दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय बाजार अभी भी एशिया के कई देशों के मुकाबले महंगा बना हुआ है, जबकि कंपनियों की कमाई की रफ्तार धीमी है और रुपया भी कमजोर पड़ रहा है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक भारत से दूरी बना रहे हैं। वर्ष 2026 में अब तक एफआईआई भारतीय शेयर बाजार से करीब 23 अरब डॉलर निकाल चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार विदेशी निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता भारतीय कंपनियों की कमाई और बाजार का महंगा मूल्यांकन है। बोफा ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष में निफ्टी–50 कंपनियों की कमाई वृद्धि केवल 7 फीसदी रह सकती है। वहीं मार्च 2027 तक समाप्त होने वाले अगले वित्त वर्ष में यह वृद्धि 8.5 फीसदी रहने का अनुमान है। यानी कमाई की रफ्तार बहुत तेज नहीं है। दूसरी तरफ निफ्टी अभी भी करीब 18 गुना एक साल आगे की कमाई के मूल्यांकन पर कारोबार कर रहा है। इसके मुकाबले दक्षिण कोरिया जैसे बाजार करीब 7.5 गुना पर ट्रेड कर रहे हैं। ऐसे में विदेशी निवेशकों को भारत का बाजार महंगा लग रहा है। यही कारण है कि वे अपना पैसा दूसरे देशों की तरफ ले जा रहे हैं। विदेशी निवेशकों के लिए केवल शेयर बाजार में गिरावट ही चिंता नहीं है। रुपये की कमजोरी भी उनके रिटर्न को प्रभावित कर रही है। जब विदेशी निवेशक डॉलर में पैसा लगाते हैं और बाद में रुपया कमजोर हो जाता है, तो उन्हें डॉलर के हिसाब से कम फायदा मिलता है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक ऐसे बाजारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं जहां कमाई तेज हो और मुद्रा भी मजबूत बनी रहे। भारत में निफ्टी इस साल करीब 9 फीसदी टूट चुका है। इसके बावजूद बाजार का मूल्यांकन अभी भी ऊंचा है। इससे विदेशी निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है। बोफा की रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी निवेशकों का पैसा अब एशिया के एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित बाजारों की तरफ जा रहा है।

मैदान पर कोहली की आक्रामकता का पठान ने किया बचाव, सहवाग ने बताई प्लेऑफ से पहले आरसीबी की समस्या

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल मैच के दौरान विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच मैदान पर हुई तीखी बहस को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि शीर्ष स्तर की क्रिकेट में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस तरह के टकराव स्वाभाविक हैं। कोहली और हेड के बीच मैदान पर तीखी बहस हुई थी। कोहली ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को लगातार इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में इस्तेमाल किए जाने का मजाक उड़ाते हुए इशारा किया कि उन्हें मैदान से बाहर रहने के बजाय कुछ गेंदें फेंकनी चाहिए। कोहली जल्द ही 11 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद हेड ने पलटवार करते हुए उन पर कटाक्ष किया। सनराइजर्स की 55 रन की जीत के बाद भी तनाव बना रहा। मैच के बाद हेड ने कोहली से हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय स्टार बल्लेबाज उनकी ओर ध्यान दिए बिना ही आगे बढ़ गया। पठान ने आईपीएल के आधिकारिक प्रसारक से बात करते हुए कहा, विराट कोहली को हमेशा से ही मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की तरह आक्रामक शैली में खेलना, थोड़ी सी नोकझोंक, कड़ी प्रतिस्पर्धा तथा पूरे जोश और जज्बे के साथ खेलना पसंद है। कोहली और हेड के बीच जो कुछ हुआ, ऐसा बेहद दबाव वाले मैचों में होना स्वाभाविक है। विशेष कर तब जबकि दोनों टीमें अंक तालिका में महत्वपूर्ण स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हों। यह शीर्ष स्तर के क्रिकेट की प्रतिस्पर्धात्मक भावना का ही एक हिस्सा था। इस बीच पूर्व भारतीय

बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि वेंकटेश अय्यर ने प्लेऑफ से पहले आरसीबी के सामने चयन को लेकर दुविधा खड़ी कर दी है। सहवाग चाहते हैं कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज ओपनिंग करना जारी रखे। इसके अलावा उन्होंने सुझाव दिया कि फिट हो चुके फिल सॉल्ट को खराब फॉर्म में चल रहे जितेश शर्मा की जगह टीम में शामिल किया जाना चाहिए। सहवाग ने कहा, वेंकटेश अय्यर शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में कई शानदार पारियां खेली हैं। आरसीबी की तरफ से उन्हें अपनी पसंदीदा जगह पर बल्लेबाजी करने के ज्यादा मौके नहीं मिले हैं। लेकिन जब उन्हें मौका दिया गया तो उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। उन्होंने कहा, फिल सॉल्ट के पूरी तरह फिट होकर लौटने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वेंकटेश अंतिम एकादश में अपनी जगह बनाए रखेंगे। मैं अय्यर को ओपनिंग से बाहर नहीं करूंगा। इसके बजाय मैं जितेश शर्मा की जगह फिल साल्ट को टीम में रखूंगा। जितेश अच्छी फॉर्म में नहीं हैं। अगर साल्ट वापसी करते हैं तो जितेश को बाहर बैठना पड़ेगा।

प्रज्ञानंद ने आठवें दौर में लाग्रेव के साथ खेला ड्रॉ, सिंदारोव की लगातार दूसरी जीत

बुचारेस्ट,एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सुपर शतरंज क्लासिक के आठवें दौर में जीत हासिल करने के कुछ अच्छे मौके गंवा दिए और आखिर में उन्हें फ्रांस के मैक्सिम वाचियर–लाग्रेव के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। दिन के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विंसेंट कीमर के बीच बाजी ड्रॉ रही, जबकि विश्व चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। नीदरलैंड के एक अन्य खिलाड़ी अनीश गिरी को रोमानिया के डिएक बोगदान–डेनियल से हार का सामना करना पड़ा। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के नाम वापस लेने के बाद अमेरिका के वेस्ली सो को वॉकओवर मिला। अब जबकि आखिरी दौर का खेल बाकी है तब खिताब के लिए पांच खिलाड़ी दावेदारी पेश कर रहे हैं। अभी कीमर और कारुआना दोनों पांच–पांच अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। सिंदारोव, वेस्ली और फोरस्ट 4.5 अंकों के साथ संयुक्त तीसरे जबकि प्रज्ञानंद, गिरी और वाचियर–लाग्रेव चार–चार अंक लेकर संयुक्त छठे स्थान पर हैं।

डिएक बोगदान–डेनियल ने अपना अभियान 3.5 अंकों के साथ समाप्त किया। अंतिम दौर में उन्हें वॉकओवर मिलेगा जिससे उनका स्कोर 4.5 हो जाएगा। सिंदारोव पर दूसरे दौर में जीत के बाद प्रज्ञानंद की दूसरी जीत की तलाश वाचियर–लाग्रेव के खिलाफ लगभग पूरी हो गई थी। भारतीय

खिलाड़ी सफेद मोहरों से खेलते हुए जीत की अच्छी स्थिति में पहुंच गया था। उनके पास कुछ अच्छे मौके थे लेकिन वह उन्हें नहीं भुना पाए और आखिर में टूर्नामेंट का यह सबसे लंबा मुकाबला 139 चाल में समाप्त हुआ। प्रज्ञानंद अपनी अंतिम बाजी में अनीस गिरी का सामना करेंगे।

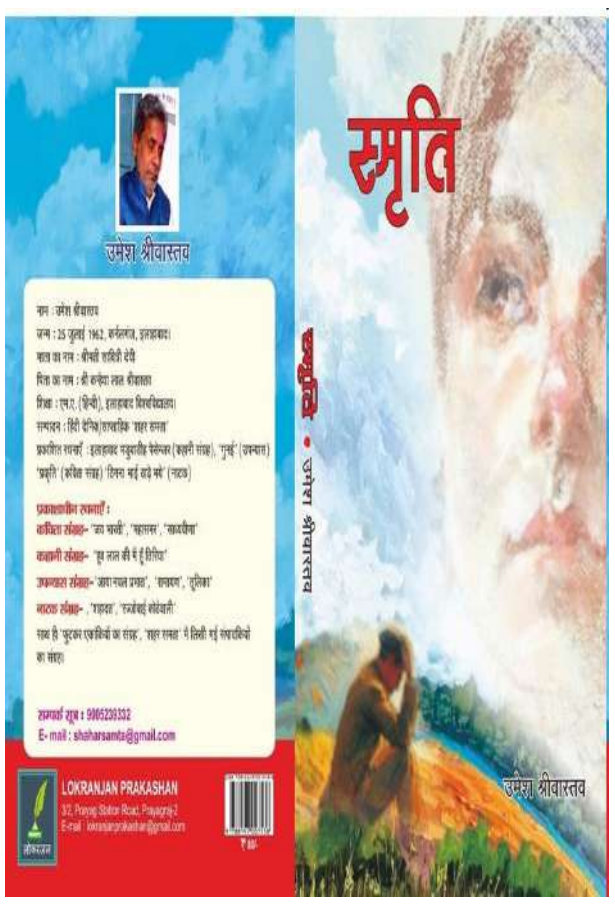

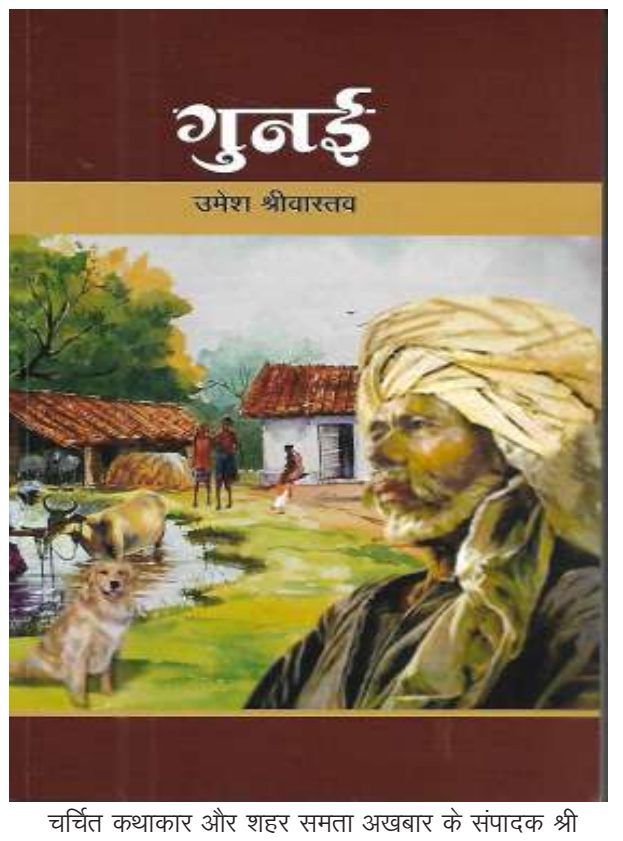

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

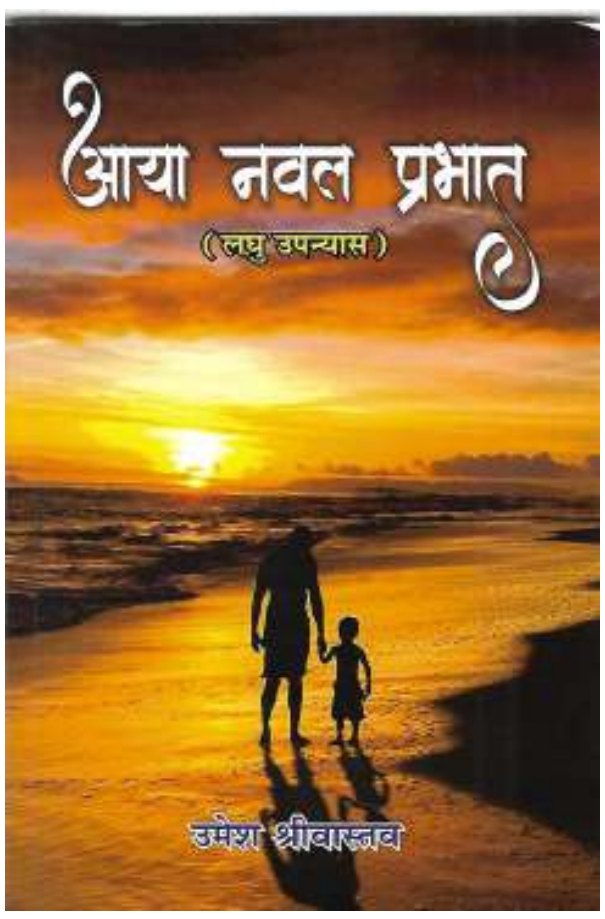

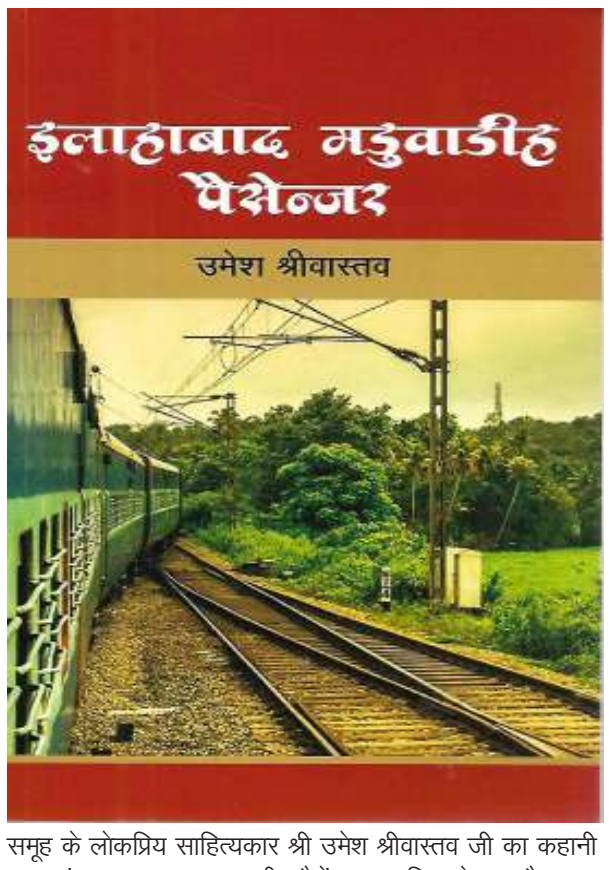

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

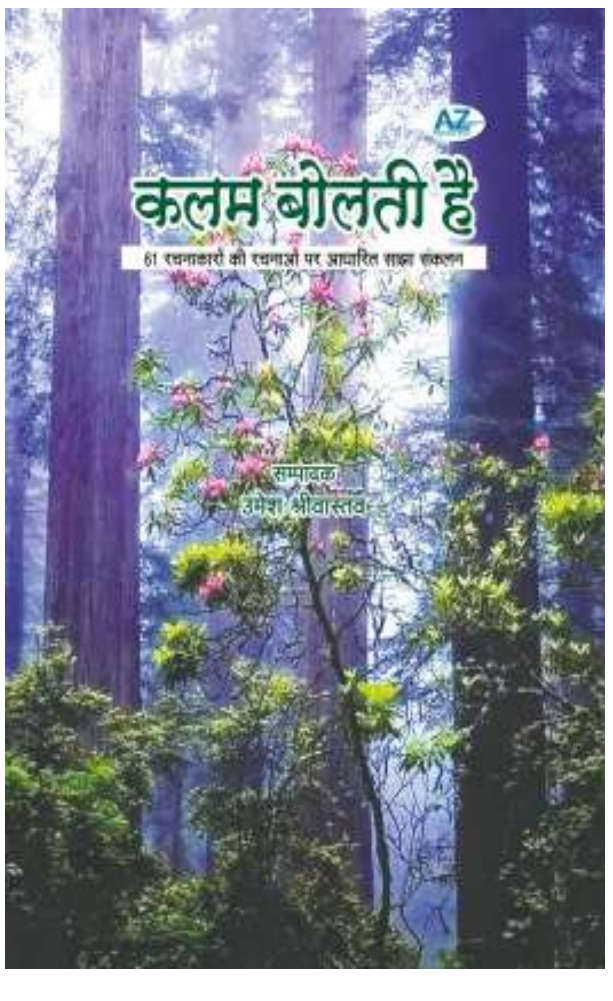

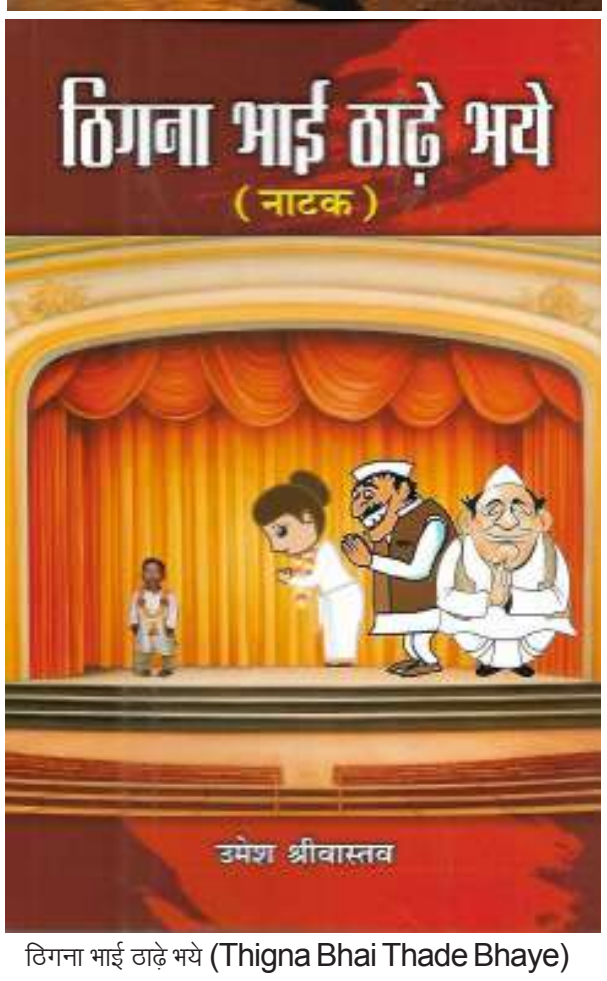

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

शांति वार्ता बेपटरी: अराघची बोले-अमेरिका की अत्यधिक मांगें बनीं रोड़ा, ईरान पर हमले को तैयार ट्रंप सेना?

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा कूटनीतिक गतिरोध अब एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। तेहरान ने वाशिंगटन पर शांति प्रयासों को पूरी तरह नाकाम करने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ फोन पर सीधी और विस्तृत बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें ही जारी शांति वार्ताओं और युद्धविराम समझौते के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हैं। कूटनीति और समझौतों को तोड़ने का आरोप विदेशी मीडिया अल जजीरा के हवाले से सामने आई इस खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री अराघची ने बातचीत के दौरान अमेरिका की नीयत पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने लगातार अपने वादों को तोड़कर, विरोधाभासी रुख अपनाकर और सैन्य आक्रामकता दिखाकर कूटनीतिक प्रयासों को हमेशा कमजोर किया है। अराघची ने कहा कि इन तमाम विपरीत परिस्थितियों और अमेरिकी दबाव की राजनीति के बावजूद तेहरान लगातार युद्धविराम वार्ताओं में सकारात्मक रूप से शामिल है और बातचीत के जरिए समाधान का रास्ता तलाश रहा है। अराघची ने यह भी कहा कि एक तरफ सैन्य हमलों की धमकियां और दूसरी तरफ शांति का ढोंग, अमेरिका की यह विरोधाभासी और दबाव की राजनीति अब नहीं चलेगी। ईरान अपनी संप्रभुता की कीमत पर अमेरिका के आगे कभी घुटने नहीं टेकेगा। व्हाइट हाउस में हलचल और सैन्य हमलों की आहट इस बीच सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सनसनीखेज और परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य हमले करने की गंभीर योजना बना रहा है। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से श्सीबीएस न्यूजश ने दावा किया है कि शुक्रवार को अमेरिकी प्रशासन ईरान पर हमलों के एक नए दौर की रणनीतिक तैयारियों में जुटा था। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि इन हमलों को लेकर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इस संभावित सैन्य कार्रवाई की खबर मिलते ही अमेरिकी सेना और खुफिया समुदाय के कई बड़े अधिकारियों ने अपने श्मेमोरियल डे वीकेंडश की छुट्टियां और प्लान तक रद्द कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी न्यू जर्सी में अपने गोल्फ रिसॉर्ट पर वीकेंड बिताने और अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी में शामिल होने का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की और कहा कि देशहित और सरकार से जुड़ी महत्वपूर्ण परिस्थितियों के कारण उनका इस समय व्हाइट हाउस में उपस्थित रहना बेहद जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र का रुख और शांति की अपील दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों के मुताबिक महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की है। गुटेरेस ने स्पष्ट शब्दों में किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ बल प्रयोग या सैन्य कार्रवाई के विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने पश्चिम एशिया क्षेत्र में स्थिरता और शांति बहाल करने के लिए दोनों ही पक्षों से केवल और केवल कूटनीति का रास्ता अपनाने की पुरजोर वकालत की है।

पश्चिम एशिया संकट: फिर हमले की तैयारी में अमेरिका, जंग या शांति, किस मोड़ पर खड़ा है ईरान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर नए हमलों को लेकर बेहद गंभीर हैं। अगर आखिरी समय में हो रही शांति वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकलता है, तो अमेरिका बड़ा सैन्य एक्शन ले सकता है। अमेरिकी मीडिया आउटलेट श्एक्सियोसश की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार सुबह अपने वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा दल के साथ बैठक की। इस बैठक में ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर गहन चर्चा की गई। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर तेहरान पहुंचे हैं। एक कतरी प्रतिनिधिमंडल भी आखिरी वक्त में समझौता कराने की कोशिशों में जुटा है। रिपोर्ट के मुताबित, अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ट्रंप बातचीत में कोई बड़ी सफलता न मिलने की स्थिति में नए हमलों पर विचार कर रहे हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख शनिवार को ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर जनरल अहमद वाहिदी से मुलाकात कर सकते हैं, जो ईरान के नीति–निर्धारण में मुख्य भूमिका निभाते हैं। वार्ता में गतिरोध ा और ट्रंप की नाराजगी राजनयिक प्रयासों से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने इस बातचीत को कष्टदायक बताया है। उन्होंने कहा कि हर दिन ड्राफ्ट का आदान–प्रदान हो रहा है, लेकिन कोई खास प्रगति नहीं दिख रही है। शुक्रवार को व्हाइट हाउस में हुई उच्च स्तरीय बैठक में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ और व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूजी विल्स शामिल थीं। व्हाइट हाउस के एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा, श्ईरान समझौता करने के लिए मर रहा है। देखते हैं क्या होता है? लेकिन हमने उन पर कड़ा प्रहार किया और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते।श वहीं, स्वीडन में नाटो विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत में मामूली प्रगति हुई है, लेकिन वे इसे बढ़ा–चढ़ाकर नहीं बताना चाहते। बेटे की शादी में भी शामिल नहीं होंगे ट्रंप! ट्रंप नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर एक राजनीतिक रैली के लिए न्यूयॉर्क गए थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

'छात्र वीजा पर लगी पाबंदी से अमेरिका को पहुंच सकता है नुकसान', सांसद ने ट्रंप प्रशासन को दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने ट्रंप प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए मौजूदा वीजा ढांचे को बनाए रखने का आग्रह किया है। वहीं, उन्होंने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित प्रतिबंध अमेरिका की तकनीकी बढ़त, आर्थिक प्रतिस्पध र्ा और अनुसंधान नेतृत्व को नुकसान पहुंचा सकते हैं। दाखिला की अवधि से बदलने के खिलाफ चेतावनी

होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी मार्कवेन मुलिन और ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट के डायरेक्टर रस वॉट को भेजे गए एक पत्र में कांग्रेस के चार सदस्यों ने एफ–1 और जे–1 वीजा धारकों के लिए मौजूदा श्ड्यूरेशन और स्टेटसश स्थिति की अवधि) सिस्टम को एक तय चार साल की दाखिला की अवधि से बदलने के खिलाफ चेतावनी दी। इस पत्र पर प्रतिनिधियों सैम लिकार्डो, जे ओबरनोल्टे, मारिया सालाजार और राजा कृष्णमूर्ति ने हस्ताक्षर किए थे। सांसदों ने क्या कहा? सांसदों ने कहा कि मौजूदा सिस्टम श्संयुक्त राज्य अमेरिका में लंबी अवधि की पढ़ाई, रिसर्च और वर्कफोर्स डेवलपमेंटश के लिए लचीलापन देता है, खासकर विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के प्रोग्राम में, जहां डॉक्टरेट की पढ़ाई अक्सर छह साल से ज्यादा चलती है। सांसदों ने लिखा,अंतरराष्ट्रीय छात्र एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, मेडिकल रिसर्च और दूसरी उभरती टेक्नोलॉजी में अमेरिका की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। अगर हम उन्हें निकाल देते हैं, तो वे अपने देश लौटकर विदेशी कंपनियों, जैसे चीन की कंपनियों को हमारे खिलाफ मुकाबला करने में मदद करेंगे।श प्रशासनिक बोझ बढ़ेगी अपने तीन पेज के पत्र में कांग्रेस सदस्यों ने तर्क दिया कि चार साल की सीमा कई छात्रों को बार–बार वीजा बढ़ाने के लिए मजबूर करेगी, जिससे श्अनावश्यक प्रशासनिक बोझ, प्रोसेसिंग में देरी और शैक्षणिक निरंतरता में रुकावटेंश आएंगी। उन्होंने सर्वे के डेटा का भी हवाला दिया, जिससे पता चलता है कि लगभग आधे अंतरराष्ट्रीय स्नातक छात्र और पोस्टडॉक्टोरल रिसर्चर संयुक्त राज्य अमेरिका में पढ़ाई करना नहीं चुनते, अगर ऐसी कोई तय एडमिशन अवधि होती। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों का अहम योगदान पत्र में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों के आर्थिक योगदान पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय छात्र हर साल स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में लगभग 43 बिलियन डॉलर का योगदान देते हैं और 355,000 से ज्यादा अमेरिकी नौकरियों में मदद करते हैं। सदस्यों ने लिखा, अमेरिकी व्यवसायों, सामानों और नौकरियों के अवसर बनाने के लिए ऐसे अंतरराष्ट्रीय विद्वानों, छात्रों और नागरिकों की एक टीम की जरूरत होती है, जो अमेरिका की आर्थिक और तकनीकी ताकत की रक्षा करने और उसे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हों। 6 से 11 प्रतिशत हिस्से का नुकासान हो सकता

सांसदों ने चेतावनी दी कि विदेशी एसटीईएम (ज्म्ड) ग्रेजुएट्स की संख्या में कमी से अमेरिकी वर्कफोर्स काफी कमजोर हो सकता है। पत्र में कहा गया, श्अगर संयुक्त राज्य अमेरिका में विदेशी एसटीईएम ग्रेजुएट्स की संख्या में एक–तिहाई भी कमी आती है, तो देश अपने उच्च–कुशल एसटीईएम वर्कफोर्स का 6 से 11 प्रतिशत हिस्सा खो सकता है।श इसमें आगे कहा गया कि ऐसी कमी से एक दशक के भीतर अमेरिकी जीडीपी में श्हर साल 240 डॉलर से 481 डॉलर बिलियनश की कमी आ सकती है। सदस्यों ने माना कि प्रशासन विदेशी छात्रों पर ज्यादा कड़ी निगरानी रखना चाहता है और श्विदेशी विरोधियों को देश के विश्वविद्यालयों का गलत इस्तेमाल करने से रोकना चाहता हैश। लेकिन उन्होंने यह तर्क दिया कि अंतरराष्ट्रीय छात्र पहले से ही श्सबसे अच्छी तरह से जांचे–परखे और लगातार निगरानी में रहने वाले गैर–आप्रवासी समूहोंश में से हैं। सांसदों ने श्स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर इंफॉर्मेशन सिस्टमश (एसईवीआईएस) का जिक्र किया, जो श्डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटीश को विदेशी छात्रों और एक्सचेंज विजिटर्स की श्लगातार, रियल–टाइम निगरानीश की सुविधा देता है।

पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड हमजा बुरहान सुपुर्द-ए-खाक, जनाजे में शामिल हुए खूंखार आतंकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड हमजा बुरहान को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अज्ञात बंदूकधारियों ने हत्या कर दी। उसे पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सुपुर्द–ए–खाक किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, उसके जनाजे में कई खूंखार आतंकी और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी शामिल हुए। डॉक्टर के नाम से भी जाना जाता था इनमें हिज्बुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन और अल–बद्र सरगना बख्त जमीन खान जैसे नाम अहम हैं। हमजा बुरहान, जिसे अर्जुमंद गुलजार डार और कोडनेम डॉक्टर के नाम से भी जाना जाता था। उसे गोली मारे जाने के एक दिन बाद इस्लामाबाद में दफनाया गया। सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनाजे में दुर्दांत आतंकियों के अलावा पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े अधि ाकारी भी मौजूद थे। जनाजे में कई आधुनिक हथियार दिखे

जनाजे के वीडियो में भारी हथियारों से लैस लोग एके–47 और अन्य आधुनिक हथियारों के साथ दिखाई दिए। इससे समारोह के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का संकेत मिला। सोशल मीडिया वीडियो में प्रतिबंधि ात आतंकी संगठनों से जुड़े कई हथियारबंद कैडरों की मौजूदगी भी दिखाई गई। पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड बुरहान को वर्ष 2019 के पुलवामा हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता था, जिसमें फरवरी 2019 में सीआरपीएफ के 40 से अधिक जवान शहीद हुए थे। भारत के गृह मंत्रालय ने उसे 2022 में जम्मू–कश्मीर में कई आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में आतंकवादी घोषित किया था। अधिकारियों के अनुसार, वह युवाओं को बरगलाने, उन्हें कट्टरपंथ की ओर धकेलने और पाकिस्तान संचालित अल–बद्र के लिए फंडिंग में अहम भूमिका निभा रहा था। शिक्षक के रूप में कर रहा था काम

वह हाल के वर्षों में पीओके में गुप्त रूप से रह रहा था और शिक्षक के रूप में काम कर रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह मुजफ्फराबाद के एक निजी कॉलेज का प्रिंसिपल भी था। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, गुरुवार सुबह कॉलेज परिसर से बाहर निकलते समय अज्ञात हमलावरों ने उस पर करीब से गोलीबारी की, जिसमें उसके सिर में कई गोलियां लगीं। मई 2025 में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए आतंकियों के जनाजों में भी पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी, नौकरशाह और आतंकी संगठन प्रमुख शामिल हुए थे।22 अप्रैल 2025 को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने गांव पर हमला कर लोगों से उनका धर्म पूछकर हत्या की थी, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। इसके जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था।उस दौरान सामने आए वीडियो में लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) और जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) के मारे गए आतंकियों के ताबूतों को पाकिस्तानी झंडे में लपेटकर सैन्य सम्मान दिए जाने के दृश्य भी दिखाई दिए थे।

कैलिफोर्निया की फैक्ट्री में केमिकल लीक: सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए 40,000 लोग, अब भी बड़े विस्फोट का खतरा

कैलिफोर्निया, एजेंसी। दक्षिणी कैलिफोर्निया के ऑरेंज काउंटी स्थित एक एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री में केमिकल टैंक लीक होने से हड़कंप मच गया है। टैंक के अत्यधिक गर्म होने के कारण जहरीली गैसों का रिसाव शुरू हो गया है, जिससे भीषण विस्फोट की आशंका पैदा हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लगभग 40,000 निवासियों को तुरंत इलाका खाली करने के आदेश जारी किए हैं। राहत और बचाव दल लगातार स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे हैं। कूलिंग सिस्टम फेल होने से भड़का खतरा

शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यह संकट गुरुवार दोपहर को गार्डन ग्रोव शहर में स्थित श्जीकेएन एयरोस्पेसश्कंपनी के प्लांट में शुरू हुआ। फैक्ट्री में कुल तीन स्टोरेज टैंक मौजूद हैं, जिनमें से एक का कूलिंग सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया। इस टैंक में श्मिथाइल मेथाक्रायलेटश भरा हुआ है। यह बेहद ज्वलनशील और वाष्पशील औद्योगिक रसायन है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से एक्रिलिक प्लास्टिक बनाने में किया जाता है। कूलिंग फेल होने से टैंक का तापमान खतरनाक स्तर तक बढ़ गया और उसमें से जहरीली गैसें निकलने लगीं। तबाही के दो बड़े इनपुट ऑरेंज काउंटी फायर अथॉरिटी (ओसीएफए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो अपडेट जारी कर गंभीर चेतावनी दी है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समय टैंक में लगभग 6,000 से 7,000 गैलन रसायन मौजूद है और इसके फेल होने के दो ही तरीके हो सकते हैं। पहला, यह जहरीला रसायन सीधे जमीन पर बह जाए। दूसरा और सबसे खतरनाक मोड श्थर्मल रनअवेश का है, जिसमें अनियंत्रित तापमान के कारण टैंक में भयंकर विस्फोट हो सकता है। यदि विस्फोट हुआ, तो पास में मौजूद अन्य टैंक भी इसकी चपेट में आ जाएंगे। हालांकि, राहत की बात यह है कि ब्रीफिंग के समय हवा में कोई सक्रिय जहरीला गुबार नहीं देखा गया। स्कूल बंद, शहरों में अलर्ट आपातकालीन टीमों ने शुरुआत में रात भर में स्थिति पर काबू पाने का दावा किया था, लेकिन शुक्रवार को हालात और ज्यादा बिगड़ गए। बिगड़ते इन हालात को देखते हुए प्रशासन को मजबूरन निकासी क्षेत्र का दायरा बढ़ाना पड़ा। कई स्कूल बंद करने पड़े हैं और हर तरफ इमरजेंसी रिस्पांस टीमें तैनात कर दी गई हैं। गार्डन ग्रोव और उसके आसपास के रिहायशी इलाकों के लोगों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे जल्द से जल्द अपने घरों को खाली कर दें, क्योंकि टैंक कभी भी फट सकता है। ऑरेंज काउंटी फायर अथॉरिटी के चीफ क्रेग कोवे ने सार्वजनिक ब्रीफिंग में कहा कि यह सिस्टम फेल होने जा रहा है, और हम नहीं जानते कि यह कब होगा। गनीमत यह है कि इस पूरी घटना में अब तक किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है।

'हैलो ग्रीनलैंड': ट्रंप की पोस्ट फिर बढ़ी हलचल, अमेरिकी रणनीति पर भड़के ग्रीनलैंडवासी, सड़कों पर उतरे लोग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ग्रीनलैंड को लेकर ऐसा कदम उठाया है, जिसने वहां राजनीतिक और जनभावनाओं को गर्मा दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह ग्रीनलैंड की राजधानी नुक की स्काईलाइन के सामने दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, "हैलो ग्रीनलैंड!" ट्रंप की इस पोस्ट को ऐसे समय में साझा किया गया, जब ग्रीनलैंड में अमेरिका की बढ़ती मौजूदगी को लेकर विरोध तेज हो गया है। अमेरिकी प्रतिनिधियों की हालिया यात्रा और नए अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को लेकर स्थानीय लोग नाराज दिखाई दे रहे हैं। ग्रीनलैंड में अमेरिकी गतिविधियों को लेकर विवाद क्यों बढ़ा? ग्रीनलैंड में हाल ही में अमेरिका के नए वाणिज्य दूतावास भवन की शुरुआत को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी नुक की सड़कों पर सैकड़ों लोग उतरे और अमेरिका विरोधी नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में ऐसे पोस्टर थे, जिन पर लिखा था कि हमें आपका पैसा नहीं चाहिए और ग्रीनलैंडवासी मैगा ट्रोजन हॉर्स को पहचानते हैं। लोगों ने सड़कों पर गो अवे यानी यहां से चले जाओ के नारे भी लगाए। दरअसल, अमेरिका ने आर्कटिक क्षेत्र में अपनी रणनीतिक मौजूदगी मजबूत करने के लिए नुक में बड़ा और ज्यादा प्रभावशाली राजनयिक केंद्र तैयार किया है। लेकिन ग्रीनलैंड के कई लोग इसे अमेरिकी दखल के तौर पर देख रहे हैं। अमेरिकी प्रतिनिधियों ने ग्रीनलैंड में क्या बातचीत की? ग्रीनलैंड पहुंचे अमेरिका के विशेष दूत और लुइसियाना के अटॉर्नी जनरल जेफ लैंड्री ने वहां कई राजनीतिक और कारोबारी नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ग्रीनलैंड के बीच सुरक्षा, आर्थिक विकास और आर्कटिक क्षेत्र में साझा रणनीतिक हितों को लेकर चर्चा हुई।

ट्रंप से बदला लेने की फिराक में ईरान: इवांका की हत्या की साजिश रचने का दावा, IRGC से जुड़ा आरोपी गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार को निशाना बनाने की कथित साजिश ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। दावा किया गया है कि ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप की हत्या की योजना बनाई गई थी। इस मामले में गिरफ्तार इराकी नागरिक मोहम्मद बाकेर साद दाऊद अल–सादी पर आरोप है कि वह ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी से जुड़ा हुआ था और ट्रंप परिवार से बदला लेना चाहता था। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अल–सादी के पास इवांका ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित घर का नक्शा भी मिला था। बताया जा रहा है कि यह कथित साजिश ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की अमेरिकी ड्रोन हमले में हुई मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी। आखिर इवांका ट्रंप को निशाना बनाने का आरोप क्यों लगा? रपोर्ट के मुताबिक मोहम्मद अल–सादी ट्रंप परिवार के खिलाफ बदले की भावना रखता था। दावा किया गया है कि कासिम सुलेमानी की मौत के बाद वह लोगों से कहता था कि "ट्रंप ने हमारा घर जलाया है, इसलिए हमें इवांका को मारना होगा।" सूत्रों के अनुसार उसके पास फ्लोरिडा में इवांका ट्रंप और उनके पति जैरेड कुशनर के घर से जुड़ी जानकारी और नक्शा भी मौजूद था। सोशल मीडिया पर उसने फ्लोरिडा के उस इलाके का नक्शा साझा किया था, जहां इवांका का घर स्थित है। साथ ही उसने अरबी भाषा में धमकी भरा संदेश भी लिखा था, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां भी उन्हें नहीं बचा पाएंगी। इस घटना के बाद अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। रिपोर्टों के मुताबिक अल–सादी को आईआरजीसी और काताइब हिजबुल्लाह जैसे संगठनों से जुड़ा बताया गया है। दावा किया गया कि वह बचपन में तेहरान भेजा गया था, जहां उसने आईआरजीसी से प्रशिक्षण लिया। बाद में उसने धार्मिक यात्राओं से जुड़ी ट्रैवल एजेंसी शुरू की, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर दुनिया भर में आतंकी नेटवर्क से संपर्क बनाने के लिए किया गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक वह कासिम सुलेमानी को पिता समान मानता था और उनकी मौत के बाद बदले की भावना से काम कर रहा था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सुलेमानी के बाद आईआरजीसी के कमांडर इस्माइल कानी के साथ भी उसके करीबी संबंध थे। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि अल–सादी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय था। उसकी तस्वीरें पेरिस के एफिल टॉवर, कुआलालंपुर के पेट्रोनास टावर्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय जगहों पर दिखाई दीं। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार उसने अपने सोशल मीडिया खातों पर सैन्य ठिकानों, नक्शों और कासिम सुलेमानी के साथ बैठकों से जुड़ी तस्वीरें भी साझा की थीं। उसके पास इराक का विशेष सेवा पासपोर्ट भी था, जिससे वह आसानी से कई देशों की यात्रा कर सकता था। अमेरिकी एजेंसियां अब यह जांच कर रही हैं कि उसके अंतरराष्ट्रीय संपर्क कितने बड़े थे और क्या वह किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा था।

क्यूबा पर अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने किया बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि क्यूबा जल्द ही साम्यवाद के चंगुल से आजाद हो जाएगा। अमेरिकी सांसदों और क्यूबा के अधिकारियों के बीच बढ़ते वार–पलटवार के बीच यह टिप्पणी सामने आई है।

सीनेटर ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ष्मेरा मानना है कि क्यूबा के अद्भुत लोगों की साम्यवाद के चंगुल से मुक्ति बहुत करीब है। क्यूबा लिबरे।

अमेरिकी प्रतिनिधि कार्लोस ए.

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।